● वर्ष-2
● अंक-228
रायपुर, मंगलवार
16 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

कर्नाटक के नतीजों से सबक

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम ने किसी को चौंकाया नहीं, यहां तक कि एग्जिट पोल के नतीजे भी बता रहे थे कांग्रेस की बढ़त है। यह बात जरूर है की कांग्रेस को 136 सीटें मिल जायेंगी ऐसा नहीं लग रहा था। कर्नाटक में सरकार बनाने के लिए 113 का आंकड़ा बहुमत के लिए चाहिए। पिछले चुनाव में भाजपा ने 104 सीटें जीतकर भी सरकार नहीं बना पाई थी। जद एस और कांग्रेस ने मिलकर भाजपा से सत्ता छीन ली थी लेकिन कुछ समय बाद 16 कांग्रेस और जद एस के विधायकों ने इस्तीफा दे दिया और भाजपा की सरकार बन गई। इस बार भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ और कांग्रेस को बड़ा फायदा हुआ और जनता दल एस को जनता ने नकार दिया। इस चुनाव के परिणाम ने कई सबक राजनेताओं को सिखाया है। पहला तो यह कि जनता के मुद्दों को छोड़कर अगर इधर उधर की बात करेंगे तो मीडिया में स्थान भले ही मिल जाय, वोट नहीं मिलेंगे। इस चुनाव में जिन 16 विधायकों ने इस्तीफा देकर भाजपा की सरकार बनने में मदद की थी, जनता ने उनको भी हरा दिया। इस प्रकार दलबदल का खेल करने वालों को सबक मिलेगी। कांग्रेस को जो ज्यादा सीटें मिली या भाजपा केवल 65 पर सिमट गई इसके पीछे जनता दल का कमजोर प्रदर्शन रहा। ऐसा लगता है बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में आने के बाद चुनाव में बजरंगबली प्रचार के केंद्र में आ गए थे। इस मुद्दा के गरमाने से अल्पसंख्यक मतों का ध्रुवीकरण हुआ, जेडीएस का अल्पसंख्यक वोट कांग्रेस की ओर चला गया जिसके कारण परिणाम एकतरफा कांग्रेस के पक्ष में चला गया। यह भाजपा की उम्मीदों के विपरीत रहा। इस चुनाव में भाजपा सरकार के कुशासन और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाया गया, 40त्न कमीशन वाली सरकार के नाम से कांग्रेस आने प्रचार किया। अब मुद्दों को देखें तो छह माह बाद छत्तीसगढ़ में भी चुनाव होने हैं, ऐसे में भ्रष्टाचार यहां भी मुद्दा बना तो कांग्रेस को जवाब देना मुश्किल होगा। कर्नाटक चुनाव में भी जनता को अधिकाधिक रेवड़ी बांटने की घोषणा की गई थी, यह भी निश्चित तौर पर चुनाव में मतदाताओं में प्रभावी रहा। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में जो घोषणाओं की थी और आगामी चुनाव में किसान, धान और गोबर का मुद्दा भी चलेगा। इन मुद्दों पर भाजपा को भी गौर करना होगा।

आर्थिक अपराध करने वालों की अब खैर नहीं

यूनिक इकॉनॉमिक ऑफेन्डर कोड को व्यक्ति या कंपनी के आधार कार्ड - पैन नंबर से जोड़ा जायेगा

केन्द्र सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है पहली बार देश को देखने को मिला कि कोई प्रधानमंत्री ना खाउंगा, ना खाने दूंगा का संकल्प लेता है तो दिल्ली से चलने वाले हर रुपए को देश के हर लाभार्थी के खाते तक पूरा पहुँचा कर अपने संकल्प को सिद्ध भी करता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद जांच एजेंसियों के अधिकारियों का हौसला बढ़ाते हुए कहते हैं कि कोई भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए। यह मोदी सरकार की आर्थिक अपराधियों से निबटने की प्रबल इच्छाशक्ति का ही परिचायक है कि अब आर्थिक अपराधियों के राजनीतिक कद की चिंता किये बिना ही उन्हें कानून के कठघरे तक लाया जाता है। अब मोदी सरकार हर आर्थिक अपराधी को एक यूनिक कोड देने जा रही है।

आर्थिक अपराधी भले कोई व्यक्ति हो या कंपनी, उसे जल्द ही एक यूनिक कोड दे दिया जायेगा। इसे यूनिक इकॉनॉमिक ऑफेन्डर कोड के नाम से जाना जायेगा। यह यूनिक इकॉनॉमिक ऑफेन्डर कोड संबंधित व्यक्ति या कंपनी के आधार कार्ड और पैन नंबर से भी जोड़ा जायेगा। अंग्रेजी समाचारपत्र में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय आर्थिक आसूचना ब्यूरो ने लगभग ढाई लाख आर्थिक अपराधियों का एक डाटाबेस तैयार किया है। दरअसल, अक्सर देखने में आता है कि आर्थिक अपराधियों पर नकेल कसने में अभी काफी समय लग जाता है क्योंकि कोई एक एजेंसी अपनी जांच पूरी कर जब तक आरोपपत्र दाखिल नहीं कर देती तब तक बहुत सारी चीजें सामने नहीं आ पाती हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि जब तक कोई

शिकायतकर्ता सबूतों के साथ कोई शिकायत नहीं करता तब तक एजेंसियां सक्रिय नहीं होतीं लेकिन अब जब हर आर्थिक अपराधी का यूनिक आईडी होगा तो जाँच भी त्वरित गति से होगी, साथ ही आर्थिक अपराधियों को और अपराध करने से भी रोका जा सकेगा। गौरतलब है कि कई बार इस प्रकार की भी खबरें आती हैं कि कोई व्यक्ति पिछले कई सालों से आर्थिक घोटाले कर रहा था और किसी जांच एजेंसी का ध्यान नहीं गया या कई बार ऐसी खबर आती है कि किसी ने कई लोगों के साथ आर्थिक धोखा किया और बैंकों या अन्य वित्तीय संस्थाओं को पता ही नहीं चला। लेकिन अब जब आर्थिक अपराधियों का यूनिक कोड उनके आधार और पैन नंबर के साथ लिंक होगा तो कोई भी बैंक लोन देते समय या अन्य संस्थाएं मंजूरियां देते समय

अंग्रेजी समाचारपत्र में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय आर्थिक आसूचना ब्यूरो ने लगभग ढाई लाख आर्थिक अपराधियों का एक डाटाबेस तैयार किया है

जब दस्तावेजों की जांच करेंगी तब यह बात सामने आ जायेगी कि सामने वाले व्यक्ति या कंपनी ने पहले कोई आर्थिक अपराध तो नहीं किया हुआ है। यह ठीक उसी प्रकार की व्यवस्था प्रतीत होती है जैसे अभी बैंक आपको लोन देने से पहले आपके सिबिल स्कोर की जाँच करते हैं।

मोदी सरकार की इस पहल के बारे में यह भी बताया जा रहा है कि यूनिक कोड के तहत आर्थिक अपराधी व्यक्ति अथवा कंपनी की ओर से किये गये सारे अपराधों की सूची एक जगह उपलब्ध होगी और यह एक तरह का उसका 360 डिग्री का प्रोफाइल होगा। राष्ट्रीय आर्थिक अपराध रिकॉर्ड के केंद्रीय डाटाबेस में जैसे ही पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसी, आईबी या प्रवर्तन निदेशालय की ओर से किसी व्यक्ति या कंपनी से संबंधित आर्थिक अपराध का डाटा फीड किया जायेगा वैसे ही सिस्टम उससे संबंधित एक यूनिक कोड अपने आप जेनरेट कर देगा। उदाहरण के लिए आर्थिक अपराधों से जुड़े मामलों का सामना कर रहे विजय माल्या, पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन जैसे लोगों का एक यूनिक कोड होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनआईसी की मदद से यह प्रोजेक्ट तैयार किया गया है और इस पर लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत आई है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय आर्थिक अपराध रिकॉर्ड की ओर से यह डाटाबेस केंद्रीय और राज्य खुफिया एजेंसियों और प्रवर्तन इकाइयों के साथ साझा किया जायेगा। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट आगामी चार से पांच महीनों में पूरा हो जायेगा और जल्द ही केंद्रीय और राज्यों की तमाम एजेंसियों के पास उपलब्ध डाटा एपीआई की मदद से राष्ट्रीय आर्थिक अपराध रिकॉर्ड के डाटाबेस में मिला दिया जायेगा। इस अभियान के तहत यह सुनिश्चित किया जायेगा कि यह पूरा काम तकनीक के माध्यम से ही संपन्न हो और इसमें किसी प्रकार का मानवीय दखल नहीं हो।

बताया जा रहा है कि यह डाटाबेस इस साल होने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (स्न्नञ्जस्न) की समीक्षा बैठक के दौरान भारत की आर्थिक अपराधों से निबटने की प्रबल इच्छाशक्ति को भी प्रदर्शित करेगा। बताया जा रहा है कि पेरिस स्थित इस अंतरराष्ट्रीय संगठन के अधिकारी इस साल कभी भी भारत आकर इस बात की समीक्षा कर सकते हैं कि मनी लॉन्ड्रिंग और टैरर फंडिंग जैसे अपराधों से निबटने के लिए भारत ने क्या विधायी और प्रशासनिक कदम उठाये हैं।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में फ्रांस के कौंसल जनरल श्री जीन-मार्क सेरे-शार्लेट ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस दौरान कौंसल जनरल को छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पाद, राजकीय गमछा और राजकीय पशु 'वनभैंसा' का बेलमेटल से निर्मित प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन भी उपस्थित थे।

उप्र में भाजपा ने मुस्लिम को टिकट देकर प्रयोग किया

उतारे गए 395 मुस्लिम प्रत्याशी में से 61 को जीत मिली

नई दिल्ली। यूपी के हाल ही में सम्पन्न हुए नगर निकाय चुनाव में भाजपा ने जबरदस्त जीत हासिल की है। भाजपा ने प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों पर कब्जा जमाया है साथ ही नगर पालिका और नगर पंचायतों में भी सपा, बसपा के मुकाबले बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। इस चुनाव में भाजपा ने एक प्रयोग भी किया। ये प्रयोग मुसलमानों को लेकर किया गया था। इसी के तहत पार्टी ने पहली बार बड़े पैमाने पर मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारे। इसी साल जनवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कहा, वोट की चिंता के बिना% संवेदनशीलता के साथ समाज के सभी वर्गों से रिश्ता जोड़ें। इसी दौरान प्रधानमंत्री ने बोहरा और पसमांदा मुसलमानों का जिक्र किया।

यूपी नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पीएम मोदी के इसी फॉर्मूले पर काम किया। पहली बार

एक साथ 395 मुसलमानों को निकाय चुनावों में टिकट दिया। इनमें से ज्यादा पसमांदा मुसलमान और महिला चेहरों को टिकट दिया। भाजपा द्वारा उतारे गए 395 मुस्लिम उम्मीदवारों में से 61 को जीत मिली। इनमें से ज्यादातर मुसलमान महिलाएं और पसमांदा वर्ग से आते हैं। अयोध्या के भरतकुंड भदरसा वार्ड नंबर 4 से शोएब अब्बास ने विजय हासिल की। भाजपा ने निकाय चुनाव में जीत दर्ज करने वाले मुस्लिम प्रत्याशियों की सूची जारी की है।भाजपा ने मुसलमानों की पिछड़ी जातियों को अपने साथ जोड़ने का काम शुरू किया है। इसकी जिम्मेदारी यूपी के अल्पसंख्यक मंत्री दानिश आजाद को दी गई है। निकाय चुनाव में खोज -खोजकर पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को भाजपा ने टिकट दिया और इसका फायदा भी पार्टी को मिला। कई ऐसी सीटें इस बार भाजपा के कब्जे में आ गईं, जो पहले नहीं आती थीं।%

2023 के विधानसभा चुनाव की तरह मुस्लिम वोटो एकमुश्त सपा के पक्ष में नहीं पड़े। इसका नुकसान सपा को हुआ। इसके साथ ही असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को इस बिखराव का फायदा मिला। 2017 में एआईएमआईएम के 12 निगम पार्षद थे। जो 2023 में बढ़कर 19 हो गए। 2017 में ओवैसी की पार्टी का एक भी नगर पालिका अध्यक्ष नहीं था। जबकि, इस बार पार्टी को तीन नगर पालिका अध्यक्ष पदों पर जीत मिली है। वहीं, सदस्यों की संख्या सात से बढ़कर 33 हो गई। नगर पंचायतों की बात करें तो यहां एआईएमआईएम के प्रदर्शन 2017 के मुकाबले खराब रहा। यानी, शहरों में ओवैसी की पार्टी को ज्यादा समर्थन मिला। जबकि गांवों में ये समर्थन घट गया।

प्रमुख समाचार

वक्फ बोर्ड की मांग, कर्नाटक में मुस्लिम को बनाए डिप्टी सीएम

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ गए है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत हुई है। फिलहाल मुख्यमंत्री पद को लेकर मंथन चल रहा है। इन सब के बीच सुन्नी उलमा बोर्ड के मुस्लिम नेताओं ने मांग की है कि कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री का पद उनके समुदाय के जीतने वाले उम्मीदवारों को दिया जाए। उन्होंने यह भी मांग की है कि पांच मुस्लिम विधायकों को गृह, राजस्व, स्वास्थ्य और अन्य विभागों जैसे अच्छे विभागों के साथ मंत्री बनाया जाए। कर्नाटक वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शफी सादी ने कहा कि कहा कि हमने चुनाव से पहले ही कहा था कि उपमुख्यमंत्री मुस्लिम होना चाहिए और हमें 30 सीटें दी जानी चाहिए। हमें 15 मिलीं और नौ मुस्लिम उम्मीदवार जीते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लगभग 72 निर्वाचन क्षेत्रों में, कांग्रेस विशुद्ध रूप से मुसलमानों के कारण जीती। एक समुदाय के तौर पर हमने कांग्रेस को बहुत कुछ दिया है। अब समय आ गया है कि हमें बदले में कुछ मिले।

अजित पवार का बयान, महाराष्ट्र सरकार को कोई खतरा नहीं है

पिछले कई दिनों से लगातार सुर्खियों में रहने वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता अजित पवार शिंदे-फडणवीस सरकार पर उतने हमलावर नहीं लग रहे जितनी की उनकी पार्टी और गठबंधन के नेता लग रहे हैं। अजित पवार ने आज साफ तौर पर कहा कि अगर 16 विधायक भी अयोग्य हो जाते हैं तो भी एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की सरकार नहीं गिरेगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार को कोई खतरा नहीं है। उनकी टिप्पणी महाराष्ट्र में पिछले साल के राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें शीर्ष अदालत ने एकनाथ सरकार को बर्खास्त करने से इनकार कर दिया था और अयोग्यता मामले को एक बड़ी बेंच को भेज दिया था। भाजपा नेता ने कहा कि अब मैंने तय किया है कि अगले चुनाव में मैं कोई पोस्टर या बैनर नहीं लगाऊंगा, मैं किसी को चाय नहीं दूंगा और न ही कुछ करूंगा। जो लोग मुझे वोट देना चाहते हैं वे ऐसा करेंगे और जो नहीं करना चाहते हैं, वे नहीं करेंगे।

जहां कहीं भी कांग्रेस मजबूत हम समर्थन करेंगे-ममता

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली जबरदस्त जीत की वजह से उसे फायदा होता दिखाई दे रहा है। आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी दलों में उसकी पकड़ मजबूत हुई है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए लगातार विपक्षी एकता की कवायद की जा रही है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फिलहाल कांग्रेस के नेतृत्व वाले एक महागठबंधन बनाने की कवायद कर रहे हैं। इन सबके बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के रणनीति पर बड़ा बयान दिया है। ममता ने कहा कि जहां कहीं भी कांग्रेस मजबूत है, हम उसका समर्थन करेंगे। इसके साथ उन्होंने यह भी कह दिया कि मजबूत क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। हालांकि, उनका यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस आपस में एक दूसरे के खिलाफ लड़ती रही है।

देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगीः हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि समान नागरिक संहिता जल्द ही देश में लागू की जाएगी और बहुविवाह प्रथा समाप्त हो जाएगी। वह भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य बी. संजय कुमार द्वारा करीमनगर में आयोजित हिंदू एकता यात्रा को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा, ''भारत में कुछ लोग सोचते हैं कि वे चार महिलाओं से शादी कर सकते हैं। वह दिन दूर नहीं है। समान नागरिक संहिता भारत में लागू होने वाली है और देश को सही मायने में एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने का भी वक्त आ गया है।'' असम के मुख्यमंत्री ने हाल में कहा था कि राज्य सरकार ने बहुविवाह प्रथा समाप्त करने के लिए कानून लागू करने के वास्ते राज्य विधानसभा की विधायी शक्ति की पड़ताल के लिए चार सदस्यीय एक विशेषज्ञ समिति गठित की है।

अगले चुनाव में वो पोस्टर-बैनर नहीं लगाएंगेः गडकरी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को "सेवा की राजनीति" पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह अगले चुनाव में अपने निर्वाचन क्षेत्र में कोई पोस्टर नहीं लगाएंगे या लोगों को चाय की पेशकश नहीं करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वोट "पोस्टर और बैनर" के बजाय "सेवा की राजनीति" के आधार पर जीते जाते हैं। गडकरी राजस्थान के सीकर जिले के खाचरियावास गांव में पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गडकरी ने कहा कि उन्होंने पिछला चुनाव बहुत कठिन निर्वाचन क्षेत्र (नागपुर) से लड़ा था और लोगों ने उन्हें वहां से चुनाव नहीं लड़ने के लिए कहा था, लेकिन वह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े। भाजपा नेता ने कहा कि अब मैंने तय किया है कि अगले चुनाव में मैं कोई पोस्टर या बैनर नहीं लगाऊंगा, मैं किसी को चाय नहीं दूंगा।

कर्नाटक चुनाव से निकलते संदेश

रशीद किदवई

कोई भी चुनावी नतीजा अहम होता है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि इसमें स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय मसलों पर चर्चा हुई। भाजपा ने जहां हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और केंद्र व राज्य में एक ही पार्टी के शासन से होने वाले लाभ जैसे मुद्दों पर अपना प्रचार केंद्रित किया, वहीं कांग्रेस ने मुख्य रूप से स्थानीय मुद्दों- भ्रष्टाचार एवं बेरोजगारी हटाने तथा समाज के गरीब तबकों के लिए कल्याण योजनाओं को लाने को जोर-शोर से उठाया।

कांग्रेस के पास जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता होने के साथ-साथ राज्य में अनुभवी नेतृत्व है। भाजपा में ऐसे नेतृत्व का अभाव था। पार्टी ने पहले येदियुरप्पा को आयु के आधार पर किनारे किया, फिर उन्हें वापस बुलाया गया, पर वे मुख्यमंत्री पद के दावेदार या उम्मीदवार नहीं थे। यहां यह प्रश्न उठता है कि 75 साल से अधिक आयु के नेताओं को सक्रिय राजनीति से हटाने की भाजपा की नीति कितनी कारगर है। अगर कोई नेता स्वस्थ है और उसमें योगदान देने की क्षमता है, तो उसे अवसर दिया जाना चाहिए।

इस चुनाव में जिस प्रकार एक समुदाय विशेष को निशाने पर लिया गया और उसे कटघरे में खड़ा किया गया, उसे राज्य की जनता ने पूरी तरह नकार दिया है। कांग्रेस ने कहा कि वह सत्ता में आयी, तो बजरंग दल जैसे संगठनों पर पाबंदी लगायी जायेगी, जिनके खिलाफ कई आरोप हैं। इस वादे को सांप्रदायिक रंग देते हुए बजरंगबली से जोड़

दिया गया। जनता ने ऐसी राजनीति को खारिज कर दिया है।

दुनियाभर में कट्टरवाद, आतंकवाद और नफरत फैलाने वाले समूह धार्मिक प्रतीकों और बातों को अपना जरिया बनाते हैं, पर वास्तव में इनका धर्मों की मूल अवधारणाओं और संदेशों से कोई लेना-देना नहीं होता है। मुझे लगता है कि कर्नाटक ने इस बात को बखूबी समझा है। कर्नाटक की बहस में एक अहम पहलू पर कम ही ध्यान दिया जाता है। वह है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का व्यक्तित्व। कांग्रेस अध्यक्ष अपने गृह प्रदेश में चुनाव जीते, यह बात भले सामान्य लगे, पर यह अब से पहले बहुत पुरानी बात हो गयी थी।

राजीव गांधी जब अध्यक्ष थे, तब उत्तर प्रदेश में पार्टी सत्ता से बाहर हो गयी थी। पीवी नरसिम्हा राव के अध्यक्ष रहते यही हाल आंध्र प्रदेश में हुआ था। सीताराम केसरी के दौर में बिहार में कांग्रेस का उद्धार नहीं हो सका था। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के समय उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की क्या स्थिति रही है, हम सब जानते हैं।

विधानसभा के आगामी चुनावों में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस पहले भी चुनाव हारती रही है, पर उसका मनोबल नहीं टूटता था और उसे लगता था कि सत्ता में उसकी वापसी हो जायेगी, लेकिन 2014 के बाद उसका हौसला लगातार पस्त होता गया। इस मनोदशा से निकलना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती थी। इस संदर्भ में मुझे लगता है कि कर्नाटक की जीत कांग्रेस के लिए संजीवनी है।

पार्टी ने इस चुनाव में जनता दल (एस) या किसी भी दल से कोई घोषित-अघोषित समझौता नहीं किया था। अगर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा रहा, तो राष्ट्रीय स्तर पर उसकी शक्ति बढ़ेगी। राजस्थान में कांग्रेस की मुख्य समस्या पार्टी के भीतर की उठापटक ही है, भाजपा नहीं। इन राज्यों में कांग्रेस की जीत के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को कड़ी चुनौती मिल सकती है।अनेक राज्यों की स्थिति बदल रही है। जैसे, पिछले आम चुनाव में कर्नाटक में 28 सीटों में से 24 पर जीत मिली थी। अगले साल वह कम-से-कम 15 सीटें खो सकती है। ऐसा ही महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार में संभावित है। यह भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है।

जीत-हार के विश्लेषण से परे हमें राजनीति के उस दुर्भाग्यपूर्ण पहलू पर भी ध्यान देना चाहिए कि देश, राज्य और जनता के असली मसले राजनीतिक बहस के केंद्र में नहीं आ पाते हैं। कर्नाटक चुनाव के बाद भी हमें यह उम्मीद नहीं रखनी चाहिए कि हमारी राजनीति का नैरेटिव बदल जायेगा। भाजपा को अपनी रणनीति पर पूरा भरोसा है और वह उससे पीछे नहीं होगी। लेकिन उसे आत्ममंथन करना चाहिए।

हमारे जीवन के धारण, कारण और तारण का आधार होती है माँ : रंजना साहू

- मातृदिवस पर दया टिफिन की संचालिका लक्ष्मी राजपूत का विधायक रंजना साहू ने किया सम्मान
- विधायक से मिला सम्मान मुझे कर्मपथ पर अधिक शक्ति से बढ़ने प्रेरित करेगा - लक्ष्मी राजपूत

धमतरी । एक मां अपने बच्चे के लिए अपनी पूरी जिंदगी न्योछावर कर देती हैं. वह हर समय, हर पल परिवार और बच्चों की देखभाल में लगी रहती हैं,उसी माँ के सम्मान में हर वर्ष मई महीने के दूसरे रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृदिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है,उसी कड़ी में टिफिन बना कर अपना जीवनयापन करने वाली दया टिफिन की संचालिका लक्ष्मी राजपूत को उनके संस्थान पहुंच विधायक रंजना ने सम्मान किया,विदित हो कि लक्ष्मी राजपूत जनसेवा के भाव से एकदम सस्ते दाम में टिफिन सेवा देकर अपना एवं बच्चों का जीवनयापन करती हैं आज उन्हें विधायक ने सम्मानित किया वह क्षण बेहद भावनात्मक रहा,लक्ष्मी राजपूत का सम्मान करते हुए विधायक रंजना साहू ने कहा एक मां का आँचल अपनी संतान के लिए कभी छोटा नहीं पड़ता। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि माँ अपने बच्चे की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है,एक शिशु का जब जन्म होता है, तो उसका पहला रिश्ता मां से होता है। एक मां शिशु को पूरे 9 माह अपनी कोख में रखने के बाद असहनीय पीड़ा सहते हुए उसे जन्म देती है और इस दुनिया में लाती है। इन नौ महीनों में शिशु और मां के बीच एक अदृश्य प्यार भरा गहरा रिश्ता बन जाता है।

अपने बच्चे को पालन पोषण करते हुए संस्कारों से परिपूर्ण एक सफल व्यक्तित्व बनाने तक माँ का किरदार विभिन्न रूपों में सर्वश्रेष्ठ होता है,आज मातृ दिवस पर ऐसे ही विपरीत परिस्थितियों में जनसेवा के रूप में टिफिन बना कर अपने बच्चों का भरण पोषण करने वाली दया तीफें की संचालिका लक्ष्मी राजपूत जी भी एक मिसाल हैं जो परिस्थितियों से बिना डरे बिना हारे आज टिफिन बेचकर अपने बच्चों का पोषण कर रही हैं जिनका सम्मान कर हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

वहिं सम्मान पाकर लक्ष्मी राजपूत ने भरे मन से कहा ईमानदारी की मेहनत और जज़्बे की कदर करते कोई सम्मान करता है वो दिल की छूता है मैंने ईश्वर पर भरोसा करके जनसेवा की भावना से यह व्यवसाय शुरू किया और आज जब अपनी मेहनत के बलबूते हम यहाँ हैं उस दिन विधायक द्वारा मुझे सम्मानित किया जा रहा है जो मुझे अधिक ताकत के साथ कर्मपथ पर लगाने के लिए प्रेरित करता हूं,यह क्षण मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण है जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती।

उक्त अवसर पर भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष विजय साहू,स्वच्छता प्रकल्प संयोजक शिवदत्त उपाध्याय,महेश साहू,जय हिंदूजा,सीमा चौबे सहित अन्य उपस्थित रहे।

सेलूद के सरपंच ने ग्राम विकास के लिए मुख्यमंत्री को सौंपा मांगपत्र

पाटन। ग्राम सेलूद के कबीर आश्रम में दो दिवसीय कबीर प्रकाट्य उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ग्राम पंचायत सेलूद की सरपंच श्रीमति खेमिन साहू ने सेलूद के विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यो की सूची प्रेषित कर विकास कार्यो के लिए राशि स्वीकृत करने के आवेदन पत्र प्रेषित किया द्य जिसमे सबसे महत्वपूर्ण ग्राम सेलूद में 10 बिस्तर अस्पताल, शासकीय कन्या महाविद्यालय, एक करोड़ की लागत से सामुदायिक मांगलिक भवन, वार्ड आठ से शितलापार तक गली सीमेंटीकरण, बजरंग चौक खाद गोदाम के पास महिला सदन, बजरंग चौक में नर्सरी स्कूल, सेलूद चौक में पानी टंकी निर्माण, तालाबो का सौन्दर्यी करन जिसमे प्रमुख रूप से शीतला तालाब, कलाउ तालाब, चारबाँधा तालाब, भूतर्रा तालाब , भूकड़िया तालाब, बावाकुटी तालाब, खदान तालाब, दोनो बाजार में शेड निर्माण, सियान सदन, दशहरा मैदान सीमेंटीकरण, औषधालय में आहाता निर्माण, मजार चौक स्कूल भवन का नवीन निर्माण, बावाकुटी हाईस्कूल मैदान में मिनी स्टेडियम, महिला पालीटेक्निक एवं आई टी आई स्थापना, खेती के लिए बांध निर्माण, सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का उन्नयन, सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड, मजार चौक में नवीन सामुदायिक भवन, सेलूद के भाठापारा और बावाकुटी श्मशान घाट में पक्का शेड और प्रतीक्षालय निर्माण, नया ग्राम पंचायत भवन, वार्ड क्रमांक 1 से 20 तक गली सीमेंटीकरण व कांक्रीट नाली निर्माण, सभी तालाबो में सुविधायुक्त शेड के साथ घाट निर्माण के लिए निवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया ।

ग्राम सेलूद के 180 एकड़ चारागाह की भूमि को संरक्षित एवं सुरक्षित करने हेतु मुख्यमंत्री जी श्रीमती खेमिन साहू सरपंच ने विशेष आग्रह पत्र प्रेषित किया गया द्य जानवरो के लिए आरक्षित चारा की जमीन पर लगातार अवैध कब्जाधारियों के द्वारा कब्जा किया जा रहा है। रसूखदारों के द्वारा निडर और बेखौफ होकर चारागाह की जमीन को पहले कब्जा किया जाता है उसके बाद उसे ऊची कीमत पर बेचा जाता है द्य माननीय मुख्यमंत्री जी से इस दिशा में हस्तक्षेप करने व अवैध रूप से खरीदी बिक्री करने वालो पर कार्यवाही करने की मांग किया गया है द्य साथ ही साथ मांग किया गया है कि चारागाह की जमीन का उपयोग शासकीय कार्यो के लिए आबंटित किया जाय जिससे कि ग्राम का विकास हो सके।

भाजपा संभागीय सह प्रभारी अनुराग सिंह देव ने ली कोरबा जिले की बैठक

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी बिलासपुर संभाग के सह प्रभारी अनुराग सिंह देव नव दायित्व प्राप्ति के पश्चात औपचारिक रूप से कोरबा जिले की बैठक लेने के लिए अपने प्रथम प्रवास पर कोरबा पहुंचे। ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा स्थित दीनदयाल कुंज में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा की बैठक में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

श्री अनुराग सिंह देव ने जिले के 19 मंडलों के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंडलों की समीक्षा के पश्चात कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए अनुराग सिंह देव ने कहा कि कोरबा जिला को ना सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में ऊर्जाधानी के रूप में जाना जाता है और प्रदेश नेतृत्व कोरबा जिले से बड़ी अपेक्षा रखता है । इस हेतु कोरबा जिले के कार्यकर्ताओं का भी दायित्व बनता है कि अपनी पूरी ऊर्जा एवं सामर्थ्य के साथ प्रदेश के द्वारा प्रदान किए जाने वाले कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संपन्न करें। इससे पूर्व भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह ने स्वागत उद्बोधन देते हुए श्री अनुराग सिंह देव के प्रथम आगमन पर कहा की श्री सिंह देव के आगमन से निश्चित रूप से कार्यकर्ताओं में एक नए उत्साह का संचार होगा भाजपा जिला कोरबा बूथ सशक्तिकरण सहित अन्य सभी कार्यक्रमों में आज प्रदेश के शीर्ष जिलों में स्थान प्राप्त कर रहा है । कार्यकर्ताओं के उत्साह एवं जोश को देखकर यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा जिले के चारों विधानसभा सीटों में जीत दर्ज करेगी। भाजपा जिला की बैठक को जिला के प्रभारी एवं मनेंद्रगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक श्याम बिहारी जयसवाल, सह प्रभारी गोपाल साहू एवं छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने भी संबोधित किया ।

जिला की बैठक में मुख्य रूप से संभागीय प्रभारी अनुराग सिंह देव, छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लखन लाल देवांगन, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, जिला संगठन प्रभारी श्याम बिहारी जयसवाल, जिला संगठन सह प्रभारी गोपाल साहू, कोरबा विधानसभा के प्रभारी वी रामाराव, कटघोरा विधानसभा के प्रभारी दिनेश सिंह, पाली तानाखार विधानसभा के प्रभारी बृजेंद्र शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष जोगेश लांबा, अशोक चावलानी, पवन गर्ग, महामंत्री संतोष देवांगन, टिकेश्वर राठिया, कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी सहित जिले के सभी पदाधिकारी मंडलों के अध्यक्ष एवं महामंत्री, मंडलों के प्रभारी एवं सह प्रभारी, मोर्चा के अध्यक्ष प्रकोष्ठ के संयोजक सहित अन्य अपेक्षित कार्यकर्ता शामिल हुए।

शहर की नागरिकों को जल्द बनकर मिलेगा हमर क्लिनिक

धमतरी। शहर में 7 हमर क्लिनिक का निर्माण किया जाना है जिसका भूमि पूजन कर निर्माणकार्य प्रारंभ किया जा चुका है, सुभाष नगर, जोधापुर, गोकुलपुर, नवागांव वार्ड, सरदार वल्लभ भाई पटेल,बठेना वाड, बांसपारा, कोष्टापारा स्थित क्लिनिक जल्द ही पूर्ण हो जायेगी। महापौर ने बताया की हमर क्लिनिक का उद्देश्य शहरवासियों, कामकाजी आबादी, स्कूल जाने वाले बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सुबह नौ से दोपहर 01 बजे तक और शाम पांच से रात आठ बजे के लिए सामान्य सेवाएं प्रदाय करना है।

इसके अलावा विशेष रूप से झुग्गी झोपड़ियों में रहने वालों को मुफ्त परामर्श, काउंसिलिंग, निश्शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परीक्षण और मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराना है। साथ ही निवासियों का पंजीकरण और स्वास्थ्य पहचान पत्र जारी करना, स्वास्थ्य शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं के लिए मुफ्त एएनसी और पीएनसी देखभाल सहायता, संचारी और गैर संचारी रोगों की समय पर जांच उपचार और लगातार देखभाल सुनिश्चित करना भी इसका उद्देश्य है।

पशुपालकों से अनवरत रूप से की जा रही है गोबर खरीदी,जैविक खेती को मिल रहा बढ़ावा,रोजगार और अतिरिक्त आय का जरिया बना गोधन न्याय योजना छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना देश-दुनिया के लिए नजीर बन गई है। देश के कृषि क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना को एक सफल और मजबूत योजना के रूप में सराहा जा रहा है। गांव के साथ शहरी गोठनो में भी की जा रही गोबर खरीदी और जैविक खाद के सतत निर्माण एवं उपयोग से किसानों में जैविक खेती को बढ़ावा मिला है। गोधन न्याय योजना की शुरुआत जिन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए की गई थी, इस योजना ने उन सभी लक्ष्यों में बहुत कम समय में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। यह योजना खुशहाली का सबब बन गई है। गोधन न्याय योजना में अब तक 2742562 किलोग्राम गोबर की खरीदी पशुपालकों ,किसानों से की गई है, जिससे जैविक खाद सहित अन्य सामग्री का निर्माण महिला स्व-सहायता समूह द्वारा गौठानों में अनवरत रूप से किया जा रहा है।

आधार अपडेशन के लिए 30 मई तक लगेगा शिविर

- आयुष्मान कार्ड बनाने सहित अन्य दस्तावेजों के लिए है जरूरी, अब तक शिविर में 525 लोगों ने करवाया आधार अपडेट

भिलाई नगर। आधार अपडेशन के लिए नगर पालिक निगम भिलाई के द्वारा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 30 मई तक आयोजित होगा। नगर पालिक निगम भिलाई की आम नागरिकों से अपील है कि जिन्होंने अब तक अपना आधार कार्ड अपडेट नहीं कराया है वह अपना आधार कार्ड शीघ्र ही अपडेट करा लें। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए भी यह अत्यंत आवश्यक है जरूरी दस्तावेजों के लिए भी आधार अपडेशन जरूरी है। 10 वर्ष पूर्व जिन्होंने अपना आधार कार्ड बनवाया है उन्हें आधार अपडेशन करवाना अत्यंत अनिवार्य है। ताकि उन्हें इस आधार पर अन्य दस्तावेजों को बनाने में सहूलियत हो और दिक्कतों का सामना न करना पड़े। 10 मई से 12 मई तक शिविर में 525 लोगों ने शिविर का लाभ उठाते हुए अपना आधार अपडेट करवाया है। गौरतलब है कि महापौर नीरज पाल एवं निगमायुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर भिलाई निगम के द्वारा डोर टू डोर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया जा रहा है, लेकिन आधार अपडेशन नहीं होने के कारण आयुष्मान कार्ड बनाने में दिक्कतें हो रही है। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए राशन कार्ड एवं आधार कार्ड होना जरूरी है। राशन कार्ड निगम के जोन कार्यालय के चॉइस सेंटर में बनाया जा सकता है।

आधार अपडेशन के लिए इन वार्ड क्षेत्रों में आयोजित होगा शिविर उठाए लाभ और कराए आधार अपडेशन दिनांक 16.05.2023 को वार्ड क्रं. 05 कोसानगर सांस्कृतिक भवन, वार्ड क्रं. 20 वैशाली नगर सांस्कृतिक भवन, वार्ड क्रं. 34 वीर शिवाजी वार्ड पार्षद कार्यालय मिलन चैंक, वार्ड क्रं. 42 गौतम नगर राज टेलर के पास शीतला मंदिर के पास भवन, वार्ड क्रं. 61 सेक्टर 06 पूर्व नगर निगम जोन कार्यालय, दिनांक 17.05.2023 को वार्ड क्रं. 06 प्रियदर्शिनी परिसर संजय नगर शीतला मंदिर, वार्ड क्रं. 21 कैलाश नगर सियान सदन, वार्ड क्रं. 35 शारदा पारा पार्षद कार्यालय जनता स्कूल के पास, वार्ड क्रं. 43 बापू नगर अम्बेडकर भवन, वार्ड क्रं. 62 सेक्टर 06 मध्य कालीबाड़ी, दिनांक 18.05.2023 को 07 राधिका नगर सियान सदन, वार्ड क्रं. 22 कुरूद सांस्कृतिक मंच बाजार चैंक, वार्ड क्रं. 36 श्याम नगर आंगनबाड़ी पानी टंकी, वार्ड क्रं. 44 लक्ष्मीनारायण नगर गणेश मंच उड़िया बस्ती, वार्ड क्रं. 63 सेक्टर 06 पश्चिम सड़क 70 पार्षद निवास के पास, दिनांक 19.05.2023 को वार्ड क्रं. 08 कृष्णा नगर पुराना वार्ड कार्यालय में शिविर का आयोजन होगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कर्नाटक चुनाव में मोदी शाह नाटक का समापन : अश्वनी

पाटन। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार पर कृषि उपज मंडी दुर्ग के अध्यक्ष अश्वनी साहू ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कर्नाटक में मोदी शाह सीरियल का समापन हो गया है। वैसे भी फक्कीर का एक जगह ठिकाना नहीं होता ।अब तो झोला उठाकर जाने के लिए आने वाले हैं ।यह साफ संकेत कर्नाटक के मतदाताओं ने दे दिया और ना ही जादूगरी एक जगह ज्यादा समय तक देखा जा सकता है। मोदी जी एवं शाह जी की जादूगरी का खेल नाटक का पर्दा गिर चुका है ।धार्मिक भावना को भड़का कर नफरत की राजनीति सफल होने वाला नहीं है ।श्री साहू ने सार्वजनिक हनुमान मंदिर पतोरा में बजरंगबली की पूजा अर्चना कर काँग्रेस कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाया । पटाखे फोड़े गए एवं केंद्रीय नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित किया ।इस अवसर पर सर्व राम कुमार बंदे, सुरेश कुमार कपूर, करण साहू हेमंत कपूर, देवनारायण ठाकुर,शिव साहू चंद्रभूषण कौशल चित्रसेन कलिहारी जगतपाल श्रीवास, भरोसा यादव,नोमेंनद्र ठाकुर अजय यादव आदि उपस्थित थे।

गरीबों के निवाले को छीनने का काम कर रही प्रदेश सरकार

मनेन्द्रगढ़। प्रदेश में राशन घोटाले को लेकर भाजपा व्यवसायी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोज कुमार जैन ने एक बयान जारी कर कहा है कि पीएम मोदी ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज दिया।केंद्र सरकार ने कोरोना काल मे देश वासियों की भूख शांत करने का काम किया ताकि किसी को भूखे पेट ना सोना पड़े,दूसरी ओर भूपेश सरकार और मंत्रियो ने इस आपदा को अवसर में बदल दिया और खुल कर भ्रष्टाचार किया,इस पूरे मामले की जाँच की जानी चाहिए और जो इसमे दोषी पाए जाएं उन पर कार्रवाई की जाए। इस सम्बन्ध में जारी बयान में श्री जैन ने कहा है कि लोकसभा मे भी इस मामले को उठाया जा चुका है, गरीब के निवाले को छिनने का काम राज्य सरकार ने किया है, इसकी जितनी भी निंदा कि जाय वह कम है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जवाब देना चाहिए और नैतिकता के आधार पर उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए । प्रदेश मे शराब घोटाला हुआ, कोल घोटाला हुआ लेकिन प्रधानमंत्री ने कहा है कि जो देश और राज्य का पैसा लूटेगा वो जेल जाएगा।

सीएएफ के जवानों ने दी मानवता की मिसाल

कांकेर। जिले के भानुप्रतापपुर के ग्राम भीरागांव में सीएएफ के जवानों ने मानवता की मिसाल पेश की है। यहां मृत वृद्ध महिला के शव का अंतिम संस्कार करने के लिए गांव का कोई भी व्यक्ति सामने नहीं आया। जिसके बाद सीएएफ के जवानों ने उसके शव का अंतिम संस्कार किया। जानकारी के अनुसार, भीरागांव में एक 80 वर्षीय वृद्ध महिला खोरीन बाई की मौत हो गई थी। लेकिन उसके शव का अंतिम संस्कार करने के लिए गांव का कोई भी व्यक्ति सामने नहीं आया। जिसकी जानकारी लगभग 24 घंटे बाद छत्तीसगढ़ आर्म फोर्स के जवानों को लगी। छत्तीसगढ सशस्त्र बल 22Bn भीरागांव के कंपनी कमांडर उग्रेश दीवान ने इसे गंभीरता से लेते हुए बटालियन के कमाडेंट एसआर भगत को अवगत कराया और बटालियन के जवानों के साथ मृत महिला का अंतिम संस्कार किया। बता दें कि मृत वृद्ध महिला के पति की कुछ वर्ष पहले मौत हो गई थी। महिला वृद्ध हो गई थी, उसे गांव में कोई न कोई खाने के लिए भोजन दे देते थे। जैसे-तैसे जिंदगी चल रही थी।

मनेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन

मनेन्द्रगढ़। राजीनामा योग्य मामलों मे पक्षकारों को त्वरित न्याय दिलवाने एवं सभी को राहत पहुंचाने के दृष्टिकोण से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के आह्वान पर सम्पूर्ण देश सहित मनेन्द्रगढ़ सिविल कोर्ट परिसर मे राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मंसूर अहमद,अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह, कु.सुनीता साहू , मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती एकता अग्रवाल , न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जहाँगीर तिगाला की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। 13 मई शनिवार को उपरोक्त आयोजन का शुभारम्भ तालुका विधिक सेवा समिति मनेन्द्रगढ़ द्वारा ग्राम बहेराटोला निवासी पक्षकार भईयालाल के हाथों महात्मा गाँधी के छायाचित्र मे माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया,इस दौरान समस्त न्यायाधीशों के अलावा अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, काफी संख्या मे न्यायालयीन स्टाफ ,विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधिगण एवं पक्षकार मौजूद रहे।

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत पर युवा कांग्रेस ने मनाई खुशी

दल्लीराजहरा। जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष प्रशांत बोकड़े के नेतृत्व में दल्लीराजहरा में युवा कांग्रेस के साथियों द्वारा कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने की खुशी में युवा कांग्रेस कार्यालय के सामने फटाखा फोड़ कर जीत की खुशी मनाई गई एवं बाइक रैली निकाल कर नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित जैन भवन चौक में भी फटाखा फोड़ कर कांग्रेस पार्टी की कर्नाटक में सरकार के लिए नारेबाजी कर लोगो को बधाई दी। इस जीत की खुशी में युवा कांग्रेस डौंडी-लोहारा विधानसभा अध्यक्ष भरत देवांगन, दिनेश यादव, नीरज साहू, रंजीत बघेल, चंदन ठाकुर, विकास जैन, हेमंत पटेल, आयान अहमद, मनीष सेन, शब्बीर कुरेशी, डोमेंद्र सावलकर, खिलेष पटेल, राज साहू, मुकेश पटेल आदि बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के साथीगण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम योजना में धमतरी शहर है अव्वल : महापौर

- मुख्यमंत्री मितान योजना से 3000 से अधिक नागरिकों के घर बैठे बने जरूरी दस्तावेज

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन की मुख्यमंत्री मितान योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में लोगों को घर बैठे- बैठे शासकीय सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है. योजना के तहत अब तक करीब 3604 लोगों ने शासकीय दस्तावेज घर पर ही प्राप्त करने के लिए अपॉइंटमेंट लिया वहीं 3270 से अधिक नागरिक घर बैठे ही अपने जरूरी शासकीय दस्तावेज प्राप्त कर चुके हैं।

महापौर विजय देवांगन ने बताया की नागरिकों ने मितान योजना के टोल फ्री नम्बर 14545 पर सम्पर्क कर शासकीय दस्तावेजों को प्राप्त करने के संबंध में जानकारी हासिल की है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में एवं नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा नागरिकों को सरकारी दस्तावेज बनवाने के लिए घर पहुंच सेवा मुख्यमंत्री मितान योजना की शुरुआत 01 मई 2022 से प्रदेश के समस्त 14 नगर निगमों में प्रारंभ की गई थी।

मुख्यमंत्री मितान योजना के अंतर्गत प्राप्त सेवाओं में जन्म प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र में सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार, मूल निवासी प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज, भूमि की रिकार्ड की नकल, भूमि सूचना (भूमि उपयोग), आधार कार्ड पंजीकरण, (5 वर्ष तक के बच्चों का) आधार कार्ड में पता एवं मोबाइल नंबर में सुधार, पैन नम्बर प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र, पैन अपडेट एवं डूप्लीकेट इत्यादि सेवाएं घर बैठे मितान सेवा से प्राप्त किए जा सकते हैं।

महापौर विजय देवांगन ने इस योजना को योजना को सफल बताते हुए कहा की इस सेवा से लोगों को श्रम, समय और धन की बचत हो रही है. साथ ही प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से भी निजात मिल रही है. वास्तव में छत्तीसगढ़ में मितान योजना से नागरिक सुविधाओं का विस्तार हुआ है और मितान की सेवाओं से नागरिकों को घर बैठे ही शासकीय सेवायें की सुविधा मिल रही है।

आम नागरिकों को बाजार में मिलने वाली महंगी दवाईयों से राहत दिलाने के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा धनवंतरी जेनरिक मेडिकल स्टोर प्रारंभ किया गया है,जहां सस्ती दर पर मिल रही गुणवत्ता पूर्ण दवाओं का सीधा लाभ आम नागरिक को मिल रहा है।

जेनेरिक मेडिकल स्टोर में दवाईयां निजी मेडिकल स्टोर एवं बाजार में मिलने वाली दवाओं की कीमत की तुलना में 51 से 54 प्रतिशत से भी कम मूल्य पर मिलती है। जिससे उपभोक्ताओं के दवाई में होने वाले खर्च में कमी आ रही है। धमतरी नगरी निकाय क्षेत्रों में सात धनवंतरी मेडिकल स्टोर खुलने से लोगों को सस्ते दाम पर दवाइयां उपलब्ध हो रही है।

राजहरा रेलवे इंस्टिट्यूट में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन

दल्लीराजहरा। शुक्रवार को रेलवे इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम ग्रीष्मकालीन शिविर के अंतर्गत बच्चो एवम पालको के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।,बच्चो को विभिन्न अपराध,यौन-शोषण,साइबर क्राइम आदि जैसे विषयों पर जानकारी देने हेतु नगर पुलिस अधीक्षक दल्ली राजहरा करण कुमार उइके द्वारा जिला पुलिस के अंतर्गत महिला सेल,साइबर सेल, बाल संरक्षण अधिकारी की टीम आज प्रात: 10 बजे निर्धारित समय पर पहुंची।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर अध्यक्ष शिबू नायर, अतिविशिष्ट अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक दल्ली राजहरा करण कुमार उइके व विशिष्ट अतिथि व्यापार संघ के अध्यक्ष गोविंद वाधवानी व नगर के श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र भारद्वाज व वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र खोबरागड़े उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अध्यक्षता टी रमना राव एवम संचालन एडवर्ड स्टीफेन द्वारा किया गया । सर्व प्रथम बालोद जिला की महिला सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक सीता गोस्वामी की टीम,साइबर सेल की टीम से वरिष्ठ आरक्षक चुरेंद्र , तथा आरक्षक गेडाम ,और बाल संरक्षण अधिकारी नरेंद्र साहू ने अपनी अपनी भाग की प्रस्तुति बहुत ही अच्छे ढंग से दी। जिसमे पालकों को किस प्रकार से अपने बच्चो को सचेत रखा जाना चाहिए , साइबर ठगी के बहुत से उदाहरण दिए की किस प्रकार नए नए रोज साइबर ठग लोगो को ठगी का शिकार करते है,बहुत से ऐप जो की हमे डाउनलोड नहीं करने चाहिए।अगर ऐसा किसी भी अपराध की जानकारी हमे हो तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रीष्मकालीन शिविर के बच्चे तथा उनके पालक गण उपस्थित रहे, सी एच श्रीनिवास राव की और से सभी के लिए आइसक्रीम की व्यवस्था तथा इंस्टीट्यूट की और से सभी के लिए सीतल पेय की व्यवस्था की गई थी। मुख्य रूप से सहयोग देने वाले बसंत, सी एच एस राव, धन सिंग ध्रुव, सूर्यकांत दिनकर आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री आज 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे

नईदिल्ली। देश में रोजगार को लेकर केंद्र की मोदी सरकार कई बड़े कदम उठा रही है। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 मई, 2023 को सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 71,000 नव नियुक्त भर्तियों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इन नियुक्तियों को भी संबोधित करेंगे। रोजगार मेला देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इस पहल का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों में भर्तियां की जा रही हैं। जानकारी के मुताबिक ये नई भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों व मंत्रालयों के साथ ही राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों में ग्रामीण डाक सेवक, डाक निरीक्षक, वाणिज्यिक-सह-टिकट क्लर्क, जूनियर क्लर्क-सह-टाइपिस्ट, जूनियर लेखा क्लर्क, ट्रैक मेंटेनर, सहायक अनुभाग अधिकारी, लोअर डिवीजन क्लर्क, सब डिवीजनल ऑफिसर, कर सहायक आदि पदों पर होगी।

बजरंग दल से जुड़े मामले में खड़गे को कोर्ट से समन

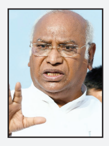

नई दिल्ली। पंजाब के संगरूर की एक जिला अदालत ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को समन जारी किया है। खड़गे पर हिंदू सुरक्षा परिषद बजरंग दल हिंद के संस्थापक हितेश भारद्वाज ने 100 करोड़ के मानहानि का केस किया है। संघ से संबद्ध विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल के प्रमुख का आरोप है कि प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पीएफआई से साथ बजरंग दल की तुलना करने से संगठन की छवि को नुकसान पहुंचा है। याचिकाकर्ता ने कहा कि हाल ही में संपन्न कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना सिमी और अल-कायदा जैसे राष्ट्र-विरोधी संगठनों से की थी। इस मामले में सिविल जज रमनदीप कौर की अदालत ने खड़गे को 10 जुलाई को तलब किया है। खड़गे के खिलाफ मानहानि का केस करने वाले भारद्वाज ने कहा, जब मैंने पाया कि घोषणापत्र के पेज नंबर 10 पर कांग्रेस ने बजरंग दल की तुलना देशद्रोही संगठनों से की है।

मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पूर्वोत्तर राज्य के कुकी बहुल जिलों के लिए अलग प्रशासन की 10 विधायकों की मांग पर सोमवार को कहा कि 'मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी।' उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन' नामक शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले उग्रवादी अपने निर्धारित शिविरों में लौट जाए। मुख्यमंत्री ने लोगों से इस महीने की शुरुआत में बहुसंख्यक मेइती और कुकी समुदायों के बीच हुए जातीय दंगों के बाद राज्य के संवेदनशील दौर से गुजरने के मद्देनजर धरना या रैलियां न करने की भी अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि दंगों के बीच राज्य में राजमार्गों पर कुछ समूहों द्वारा लगाए गए अवरोधकों को हटाने के लिए बल का प्रयोग नहीं किया जाएगा और इसके बजाय 'इन प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत करने के प्रयास किए जाएंगे। मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी।

हमारी तमाम बातों को जनता ने स्वीकार किया : सचिन पायलट

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के भीतर घमासान मची हुई है। सचिन पायलट ने अपनी जन संघर्ष यात्रा शुरू की थी। सोमवार को पांचवा दिन था। यह यात्रा समाप्त हो जाएगी। सचिन पायलट साफ तौर पर कह रहे हैं कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहने वाली है। राज्य में पिछली वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार के मामलों के विरोध में गुरुवार को यात्रा शुरू की गई थी। हालांकि, इसे राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी सरकार के खिलाफ भी देखा जा रहा है। सचिन पायलट की यात्रा के अंत में जनसभा से पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ने और लोगों का मनोबल बढ़ने की उम्मीद है। महापुरा में अपनी जन संघर्ष यात्रा के पांचवे व आखिरी दिन कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ यात्रा कर रहा हूं इसमें कोई विरोधाभास नहीं है। मैंने कभी किसी की बुराई नहीं की, किसी पर आरोप नहीं लगाया, मेरी किसी से कभी अनबन नहीं हुई।

ईडी ने राकांपा विधायक जयंत पाटिल को नया समन भेजा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वित्तीय सेवा कंपनी आईएल एंड एफएस में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े एक धनशोधन मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष और विधायक जयंत पाटिल से पूछताछ के लिए उन्हें नया समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को जानकारी दी। इस्लामपुर से विधायक पाटिल (61) को इससे पहले 12 मई को पेश होने के लिए समन भेजा गया था लेकिन उन्होंने कुछ निजी और आधिकारिक व्यस्तता का हवाला देते हुए पूछताछ करीब 10 दिन के लिए टालने का अनुरोध किया था। सूत्रों ने कहा कि राकांपा नेता को अब 22 मई को पेश होने के लिए कहा गया है। महाराष्ट्र के पूर्व गृह और वित्त मंत्री पाटिल ने पिछले सप्ताह संवाददाताओं से कहा था कि उनका आईएल एंड एफएस के साथ कोई संबंध नहीं रहा जिसे अब दिवालिया घोषित किया जा चुका है।

पहले मुझे दो साल के लिए सीएम बनाया जाए: सिद्धारमैया

दो दावेदार होने की वजह से कांग्रेस की परेशानी बढ़ गयी है

बेंगलुरु। कर्नाटक में जीत के बाद भी कांग्रेस की राह आसान नजर नहीं आ रही है। पार्टी को मुख्यमंत्री का चेहरा तो मिल गया है लेकिन दो दावेदार होने की वजह से कांग्रेस की परेशानी बढ़ गयी है। जहां वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया को पार्टी आलाकमान ने दिल्ली बुलाया है। वहीं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के अध्यक्ष डीके शिवकुमार(ष्ठ च रुद्धद्व1ब्रह्वद्वड्डह्) ने कहा कि मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से उनके पास कोई फोन नहीं आया है।

हमने दिल्ली को एक पंक्ति का प्रस्ताव भेजा : शिवकुमार

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा ? इसका जवाब देते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि मैं नहीं जानता। मुझे जो भी काम दिया गया, मैंने वह किया है। हमने दिल्ली को एक पंक्ति का प्रस्ताव भेजा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का गठन शुभ मुहूर्त पर किया जाएगा। आलाकमान द्वारा राष्ट्रीय राजधानी बुलाए जाने की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि मुझे अभी तक कोई फोन नहीं आया है। चलिये, देखते हैं।।। नयी सरकार का गठन कब होगा ? इस सवाल पर शिवकुमार ने कहा कि हम सप्ताह का शुभ दिन और शुभ मुहूर्त देखेंगे।

दो साल के लिए मुख्यमंत्री का पद चाहते हैं सिद्दरमैया

यहां चर्चा कर दें कि डीके शिवकुमार का कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया से कड़ा मुकाबला है। दोनों ही नेता इस पद के लिए दावेदार माने जा रहे हैं। इस बीच इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से जो खबर दी है उसकी चर्चा जोरों पर हो रही है। सूत्रों के हवाले से खबर दी गयी है सिद्दरमैया ने कहा है कि वह दो साल के लिए मुख्यमंत्री का पद चाहते हैं जबकि डीके शिवकुमार को अगले तीन साल के लिए ये पद दे दिया जाए।

सिद्धारमैया ने प्रस्ताव दिया है कि उन्हें पहले हाफ के लिए सीएम पद दिया जाए। कम से कम लोकसभा चुनाव तक उन्हें कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया जाए। हालांकि डीके शिवकुमार ने इस प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया है। ऐसा उन्होंने राजस्थान और छत्तीसगढ़ के राजनीतिक हालात को देखते हुए किया।

मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे फैसला

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की रविवार शाम एक निजी होटल में हुई बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर पार्टी अध्यक्ष एम। मल्लिकार्जुन खरगे को विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार दिया गया, जो कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनेगा। कर्नाटक में 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल करते हुए 135 सीटें अपने नाम कीं, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा नीत जनता दल (सेक्युलर) ने क्रमश: 66 और 19 सीटें जीतीं।

विपक्ष को एकजूट होना चाहिए : तेजस्वी

पटना। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली शानदार जीत से विपक्षी दलों के उत्साह बढ़ा हुआ है। इन सब के बीच बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की शानदार जीत हुई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह हार सिर्फ भाजपा और नरेंद्र मोदी की नहीं है। यह हार उनके जितने सहयोगी हैं जैसे कि सीबीआई, ईडी उनकी है। यह गोदी मीडिया की हार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस जीत से देशभर में एक संदेश गया है कि पूरी मजबूती के साथ हमलोक एक होकर लड़े तो भाजपा को हरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसी कवायद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लालू यादव और हमलोग लगे हुए है।

राजद नेता ने कहा कि हम चाहते है कि सभी एक होकर चुनाव लड़े और जीते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमलोगों की कोई इच्छा नहीं है। ये हमने पहले भी बताया है। हमलोगों का एक मात्र लक्ष्य यह है कि जनता और गरीबी के लिए काम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हममें से कोई नहीं पीएम या सीएम बनने का इरादा रखता है। इससे पहले उन्होंने कहा कि था हम कर्नाटक की जनता को बधाई देना चाहेंगे उन्होंने जिस सरकार को चुना वह देश के हालात को देखते हुए चुना। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने तो कल ही कह दिया था कि बजरंग बली भाजपा से नाराज़ हैं। राजद नेता ने कहा था कि दक्षिण भारत में भाजपा ख़त्म हो गई है। मध्य भारत में चोरी और असंवैधानिक तरीके से भाजपा शासन में है।

आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त में नीतीश कुमार एनडीए गठबंधन से अलग हो गए। इसके बाद उन्होंने राजद सहित अन्य दलों के साथ सरकार बना ली। फिलहाल नीतीश कुमार विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं। वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी, नवीन पटनायक, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और अखिलेश यादव से भी उनकी मुलाकात हो चुकी है। नीतीश कुमार साफ तौर पर अपील कर रहे हैं कि सभी विपक्षी दलों को एकजुट होना चाहिए और भाजपा के खिलाफ सब मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए ताकि इस देश के लोकतंत्र को बचाया जा सके। नीतीश कुमार विभिन्न राज्यों के दौरे पर गए जहां तेजस्वी यादव जी उनके साथ मौजूद रहे।

पाक सेना उन्हें 10 साल के लिए जेल भेजने की योजना बना रही है : इमरान

इस्लामाबाद। ताजा दावों में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को कहा है कि देश की सेना का इरादा उन्हें राजद्रोह के आरोप में अगले 10 साल तक सलाखों के पीछे रखने का है। यह आरोप लगाते हुए कि पाकिस्तान की सेना ने एक न्यायाधीश, जूरी और एक्सिक्यूशनर की सत्ता संभाली है इमरान खान ने कहा कि अब उनकी पत्नी बुशरा बेगम को जेल में डालकर उन्हें अपमानित करने की योजना थी। सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए खान ने लिखा, तो अब लंदन की पूरी योजना बाहर है। जब मैं जेल में था तब उन्होंने हिंसा के बहाने जज, ज्यूरी और एक्सिक्यूशनर की भूमिकाएं निभाईं। अब योजना यह है कि बुशरा बेगम को जेल में डालकर और मुझे अगले 10 साल तक अंदर रखने के लिए कुछ राजद्रोह कानून का इस्तेमाल करके अपमानित किया जाए। यह ट्वीट खान के लाहौर स्थित आवास पर पीटीआई नेताओं की बैठक के बाद आया है।

उन्होंने आगे लिखा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया न हो, उन्होंने दो काम किए हैं- पहला जानबूझकर आतंक न केवल पीटीआई कार्यकर्ताओं पर बल्कि आम नागरिकों पर भी फैलाया जाता है। दूसरा, मीडिया पूरी तरह से नियंत्रित और दबा हुआ है। उन्होंने कहा कि इन अपराधियों द्वारा जिस तरह से चादर और चारदीवारी की पवित्रता का उल्लंघन किया जा रहा है, उसका कभी भी उल्लंघन नहीं किया गया है।

अपने विधायकों को भाजपा से बचाए कांग्रेस: माकपा

तिरुवनंतपुरम। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने सोमवार को कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उससे कर्नाटक के अपने नवनिर्वाचित विधायकों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की खरीद-फ़रोख्त से बचाने को कहा जैसा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के बीच गोवा में कथित तौर पर हुआ था। माकपा ने कहा कि कांग्रेस अकेले अपने दम पर भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती। उसने 2024 के आम चुनावों में भाजपा को हराने के लिए राज्यवार गठबंधन की पैरवी की। माकपा के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन ने कहा, ''राष्ट्रीय स्तर के गठबंधन से मदद नहीं मिलेगी। हमें राज्य स्तर पर सभी भाजपा विरोधी समूहों को एकजुट करने तथा प्रत्येक राज्य में भाजपा को हराने की आवश्यकता है। आगे बढ़ने का केवल यही एक रास्ता है।''

मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने भी एक दिन पहले ऐसी ही रणनीति का सुझाव दिया था। गोविंदन ने कहा, ''हर कोई कांग्रेस को जानता है, हर कोई जानता है कि कर्नाटक इकलौता राज्य है जहां वे प्रभावी तौर पर चुनाव लड़ सकते थे। अन्य जिन राज्यों में वे प्रभावी तौर पर चुनाव लड़ सकते हैं वे गुजरात, राजस्थान तथा कुछ ऐसे ही राज्य हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन ऐसे राज्य भी हैं जहां कांग्रेस कमजोर स्थिति में है, बल्कि अब उनमें अंदरुनी मतभेद भी हैं।''

माकपा के प्रदेश सचिव ने कहा कि कांग्रेस को अपने विधायकों को भाजपा द्वारा खरीद-फरोख्त किए जाने की कथित कोशिशों से सतर्क रहते हुए कर्नाटक के लिए मुख्यमंत्री तथा कैबिनेट मंत्रियों का फैसला करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हर कोई जानता है कि भाजपा के पास विधायकों को खरीदने की तरकीबें हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' जारी रहने के बीच गोवा में यह हुआ था।'' गोविंदन ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ा खतरा है और लोग उसे हराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए सभी भाजपा विरोधी समूहों को उसे हराने के लिए एक साथ आना चाहिए।

खेल
प्रमुख समाचार

एफआईएच प्रो लीग हॉकी हरमनप्रीत को मिली कमान

नयी दिल्ली। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच प्रो लीग हॉकी के यूरोप चरण के लिये भारतीय पुरूष हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया है जबकि नये कोच क्रेग फुल्टोन का यह पहला टूर्नामेंट होगा। अपने मैदान पर एफआईएच प्रो लीग के पिछले चरण में भारतीय टीम विश्व चैम्पियन जर्मनी और आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपराजेय रही। यूरोप में टीम इस लय को कायम रखना चाहेगी जहां उसका सामना लंदन में बेल्जियम और ब्रिटेन से होगा जबकि नीदरलैंड में उसे अर्जेंटीना और नीदरलैंड से खेलना है। अपनी शादी के कारण घरेलू मैचों से बाहर रहे गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक की टीम में वापसी हुई है जिनके साथ अनुभवी पी आर श्रीजेश होंगे। इनके अलावा टीम में पांच पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ हरमनप्रीत, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय और मनदीप मोर हैं। मनप्रीत सिंह अब मिडफील्ड की बजाय बैकलाइन में सुमित और गुरिंदर सिंह के साथ होंगे। मिडफील्ड में उपकप्तान हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, एम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह और विवेक सागर प्रसाद हैं। फॉरवर्ड पंक्ति में सिमरनजीत सिंह की वापसी हुई है जो आखिरी बार जकार्ता में एशिया कप में खेले थे। उनके साथ अभिषेक, ललित उपाध्याय, एस कार्ति, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, राजकुमार पाल और मनदीप सिंह होंगे।

भारतीय टीम-गोलकीपर- कृशन बहादुर पाठक, पी आर श्रीजेश। डिफेंडर- हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, मनदीप मोर, गुरिंदर सिंह । मिडफील्डर- हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, एम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह और विवेक सागर प्रसाद। फॉरवर्ड - सिमरनजीत सिंह, अभिषेक, ललित उपाध्याय, एस कार्ति, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, राजकुमार पाल और मनदीप सिंह।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 318 अंक चढ़ा निफ्टी 18400 के पास

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 317.81 (0.51%) अंकों की बढ़त के साथ 62,345.71 अंकों के लेवल पर पहुंचकर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 84.05 (0.46%) अंकों की उछाल के साथ 18,398.85 के स्तर पर क्लोज हुआ। सोमवार के कारोबारी सेशन के दौरान उज्जीवन एसएफबी और डीएलएफ के शेयरों में सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन ऑटो सेक्टर के शेयरों में दम दिखा। बढ़िया नतीजों के बाद टाटा मोटर्स के शेयरों में मजबूती खरीदारी दिखी। कंपनी के शेयर 14.60 (2.83%) अंकों की बढ़त के साथ 530.55 रुपये के लेवल पर बंद हुए। हीरो मोटोकॉर्प के शेयरों में भी तीन प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अदाणी मामले की सुनवाई हुई, इस दौरान समूह के शेयर कमजोरी के साथ कारोबार करते दिखे।

जुलाई 2020 के बाद पहली बार शून्य से नीचे पहुंची थोक महंगाई दर

नई दिल्ली। भारत की थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति इस साल अप्रैल में घटकर -0.92 प्रतिशत रह गई, जो इस साल मार्च में 1.34 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित खाद्य मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 0.17 प्रतिशत पर आ गई, जो मार्च में 2.32 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित खाद्य तेलों की मुद्रास्फीति अप्रैल में शून्य से 25.91 प्रतिशत नीचे रही जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित वस्तुओं की मुद्रास्फीति इसी अवधि में 1.60 प्रतिशत रही। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार ईंधन, बिजली और विनिर्मित उत्पादों की थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में क्रमश: 0.93 प्रतिशत और -2.42 प्रतिशत रही।

डीमैट खातों की संख्या अप्रैल में बढ़कर 11.60 करोड़ हुई

नईदिल्ली। शेयरों को इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में रखने के लिए जरूरी करीब 15.9 लाख नए डीमैट खाते दो डिपॉजिटरीज सीडीएसएल व एनएसडीएल के पास खोले गए और कुल डीमैट खातों की संख्या अप्रैल में 11.60 करोड़ हो गई। अप्रैल में खुले नए डीमैट खाते वित्त वर्ष 23 के मासिक औसत 20.7 लाख के मुकाबले 23 फीसदी कम रहे। अप्रैल में निफ्टी में 4.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई और यह इंडेक्स अहम वैश्विक इक्विटी बाजारों के बेंचमार्क में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला रहा, जिसकी वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की तरफ से निवेश और जनवरी-मार्च तिमाही के उत्साहजनक नतीजे रही। निफ्टी मिडकैप 100 में अप्रैल के दौरान 5.9 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 7.5 फीसदी की उछाल आई। एफपीआई ने अप्रैल में 11,631 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। विशेषज्ञों ने कहा इक्विटी में सीधे निवेश करने वाले निवेशकों की मामला अब सैचुरेशन पॉइंट में पहुंच गया है।

2016 में जिन कंपनियों की जांच हुई उसमें अदाणी ग्रुप शामिल नहीं : सेबी

नईदिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने 2016 से किसी भी अदाणी ग्रुप की कंपनी की जांच नहीं की थी और यह आरोप कि वह ऐसा कर रही है, तथ्यात्मक रूप से निराधार यानी गलत है। साथ ही सेबी ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट में आरोपों की जांच पूरी करने की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की। इस मामले में बार एंड बेंच ने एक ट्वीट साझा किया गया है। जिसमे कहा गया है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए जांच पूरी करने में अभी और समय की ज़रूरत है। सेबी द्वारा यह भी कहा गया है कि अरबपति गौतम अदाणी के नामांकित समूह द्वारा विनियामक खुलासे की संभावित खामियों की जांच का कोई भी गलत या समय से पहले निष्कर्ष न्याय के हित में नहीं होगा।

वस्त्रोद्योग क्षेत्र बढ़ाएगा निर्यात और रोजगार

डॉ जयंती लाल भण्डारी

इस समय देश ही नहीं दुनिया के टेक्सटाइल विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में सरकार जिस तरह टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा दे रही है, उससे इस सेक्टर में रोजगार के मौके छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई देंगे। सरकार ने देश के सात राज्यों तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के लिए अगले पांच सालों में पूरा करने का लक्ष्य रखते हुए 4,445 करोड़ रुपए आवंटन की जिस पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क योजना को मंजूरी दी है और एक अप्रैल 2023 से जिस अभूतपूर्व नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) को लागू किया गया है, उससे वस्त्रोद्योग क्षेत्र में उत्पादन, निर्यात और रोजगार के मौके छलांगें लगातार बढ़ते हुए दिखाई देंगे।

यह बात महत्वपूर्ण है कि देश में टेक्सटाइल सेक्टर कृषि के बाद रोजगार देने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र भी है। इस समय टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 4।5 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और करीब 6 करोड़ लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त है। जिस तरह इस समय टेक्सटाइल सेक्टर को रणनीतिक रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे टेक्सटाइल उद्योग में अकुशल, अर्धकुशल, कुशल और महिला श्रम शक्ति के साथ-साथ नए कम्प्यूटर एआई पेशेवरों के लिए भी रोजगार के प्रचुर मौके निर्मित होंगे।

गौरतलब है कि प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए पांच एफ (फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन) विजन और प्लग एंड प्ले एकीकृत बुनियादी ढांचे की आधुनिक अवधारणा पेश की है। वस्तुत: पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल

पार्क एक ही स्थल पर कताई, बुनाई, प्रसंस्करण, रंगाई व छपाई से लेकर टेक्सटाइल निर्माण तक एक एकीकृत वस्त्र मूल्य श्रृंखला का अवसर प्रदान करते हुए दिखाई दे रहा है।

प्रत्येक मेगा टेक्सटाइल पार्क से करीब एक लाख प्रत्यक्ष और दो लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। ऐसे में पीएम मित्र पार्क दुनिया के लिए मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड की पहल के बेहतरीन उदाहरण बनेंगे और मेगा टेक्सटाइल पार्क के माध्यम से घरेलू निर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय कपड़ा बाजार में समान मौके मिलेंगे। ऐसे में भारत का टेक्सटाइल निर्यात जो वर्ष 2021-22 में 44।4 अरब डॉलर रहा है, वह वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को पार करते हुए दिखाई देगा।

उल्लेखनीय है कि भारत में टेक्सटाइल उद्योग शताब्दियों के समृद्ध इतिहास के साथ देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। इस समय टेक्सटाइल सेक्टर देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2 प्रतिशत से अधिक और मूल्य के संदर्भ में देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में करीब 7 प्रतिशत योगदान करता है। वर्तमान में भारत दुनिया में कपड़ों का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है तथा वैश्विक रेडीमेड गारमेंट बाजार में अपना एकाधिपत्य जमाने को तैयार है। भारत से होने वाले कुल टेक्सटाइल और परिधान निर्यात का सबसे अधिक करीब 27 प्रतिशत अमेरिका को किया जाता है। इसके बाद 18 प्रतिशत यूरोपीय संघ को, 12 फीसदी बांग्लादेश और 6 फीसदी संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया जाता है। इस समय देश में टेक्सटाइल के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, निर्यात बढ़ाने तथा एक कुशल और एकीकृत कपड़ा क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए टेक्सटाइल सेक्टर के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के लिए तरजीही टैरिफ देने के कारण भारत से टेक्सटाइल निर्यात को नुकसान हुआ है। बांग्लादेश चीनी धागों का आयात करता है, उन्हें अपने सस्ते श्रम का इस्तेमाल करके कपड़े बनाता है और बिना किसी आयात शुल्क के इस तरह के कपड़े भारत को निर्यात करता है। ऐसे में बांग्लादेश को दी गई शुल्क मुक्त बाजार की पहुंच भारत में चीनी वस्त्रों के अप्रत्यक्ष प्रवेश की सुविधा प्रदान कर रही है।

कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस के लिए क्या बदला

उमेश चतुर्वेदी

केंद्र की सत्ता में अपने बूते पिछले नौ वर्षों से काबिज बीजेपी के हाथ से कर्नाटक की सत्ता फिसल जाना साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। दक्षिणी राज्यों में विस्तार की कोशिश में जुटी बीजेपी के लिए कर्नाटक की हार एक बड़ा झटका है और इससे कई सवाल खड़े होते हैं। पहला, क्या इस हार से बीजेपी के लिए साल 2024 की संभावनाएं खत्म होने की शुरुआत हो गई है? दूसरा, क्या कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस केंद्रीय राजनीति में प्रभावी हो जाएगी? तीसरा, क्या इस साल के आखिर में होने वाले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में भी बीजेपी का यही हाल होने वाला है? दुनिया विजेताओं की बलैया लेने में कंजूसी नहीं करती। इस लिहाज से कर्नाटक विजेता कांग्रेस और राहुल गांधी का गुणगान स्वाभाविक है। लेकिन यह मान लेना कि अगले चार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का विजय रथ ऐसे ही दौड़ता रहेगा, तर्कसंगत नहीं लगता। जब 2018 में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को जीत मिली थी, तब कई विश्लेषकों ने अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की वापसी की भविष्यवाणी कर दी थी। लेकिन इसके छह महीने बाद हुए आम चुनाव में मोदी ब्रैंड और मजबूत हुआ था। राजस्थान की सारी, छत्तीसगढ़ की दस और मध्य प्रदेश की 26 लोकसभा सीटें बीजेपी ने जीत ली थीं। 2018 के विधानसभा चुनावों में कर्नाटक में बीजेपी 104 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनकर भी सत्ता से दूर रह गई थी। तब भी विपक्ष को उम्मीद थी कि अगले साल मोदी को हराया जा सकता है। लेकिन करीब एक साल बाद हुए लोकसभा चुनावों में राज्य की 26 में से 25 सीटों पर बीजेपी को जीत मिली। खैर, कर्नाटक में बीजेपी की हार को उसके प्रतिबद्ध कार्यकर्ता भले नहीं देख पा रहे थे, लेकिन उनका नेतृत्व देख रहा था। सवाल लाजिमी है कि ऐसे में मोदी और शाह की जोड़ी ने पूरी ताकत क्यों झोंकी? दरअसल, मोदी-शाह और दूसरे दलों के नेताओं में यही फर्क है। गुजरात में अवश्यंभावी हार देख राहुल प्रचार छोड़ देते हैं, लेकिन हार को जीत में बदलने के लिए प्राणपण लगाने में मोदी-शाह नहीं हिचकते। कर्नाटक में अल्पसंख्यकों ने एकमुश्त कांग्रेस को वोट दिया है। शुरुआती आकलन के मुताबिक, करीब 16 प्रतिशत आबादी वाले मुस्लिम समुदाय के 82 प्रतिशत वोटरों ने कांग्रेस पर भरोसा जताया है, जबकि बीजेपी को सिर्फ दो प्रतिशत मुसलमानों ने ही वोट दिया। बनारस हो या वड़ोदरा, कश्मीर हो या कन्याकुमारी, मुस्लिम मतदाता अब वोटिंग के लिए कमोबेश एक जैसा सोचने लगा है। कर्नाटक का संकेत यह है कि अब वह दूसरे दलों के बजाय कांग्रेस पर एकमुश्त भरोसा करेगा। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को कर्नाटक में एक प्रतिशत से कम वोट मिलना इसी संकेत का विस्तार है। कर्नाटक ने संकेत किया है कि अल्पसंख्यक वोट बैंक बीजेपी की ओर आकर्षित नहीं होने वाला। इससे बीजेपी-संघ के जमीनी कार्यकर्ता उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं पर सवाल उठाने लगे हैं। कुछ अन्य संकेत भी आसानी से रेखांकित किए जा सकते हैं। येदियुरप्पा की जगह बासवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया जाना बीजेपी कार्यकर्ता पचा नहीं पाए। कांग्रेस उनकी सरकार को भ्रष्टाचारी साबित करने में कामयाब रही। येदियुरप्पा का चुनाव प्रचार में अनमनापन भी बीजेपी समर्थकों की नजरों से नहीं छुप सका। इसका भी उनके वोटिंग बिहेवियर पर असर रहा। बीजेपी को नुकसान पहुंचाने में दूसरे दलों से आयातित नेताओं की भी भूमिका रही। बेशक सरकार बनाने के लिए उन्हें साथ लिया गया हो, लेकिन जब विरोधी माहौल बनना शुरू हुआ तो उन्होंने पुराने दलों में लौटने में देर नहीं लगाई। जगदीश शेट्टार जैसों का अलग रुख अपनाना भी बीजेपी के विरोध में गया।

भाजपा के लिए बंद दक्षिण का द्वार

अनिल तिवारी

कर्नाटक के चुनावी नतीजों से कांग्रेस में उत्साह स्वाभाविक है। पिछले 9 सालों से हर मोर्चे पर पिट रही कांग्रेस के लिए यह जीत डूबते को तिनके का सहारा सरीखी है। उसे यह सोचने की ना फुर्सत है ना जरूरत कि यह जनादेश उसके पक्ष में कम, भाजपा को दंडित करने के लिए अधिक दिया गया है। इसके लिए राज्य की भाजपा सरकार का 40% कमीशन का भ्रष्टाचार और इसके भंडाफोड़ के बाद भी जातिवादी कुतर्क के दबाव में उनके भयादोहन से त्रस्त भाजपा आलाकमान द्वारा उनका तुष्टीकरण प्रमुखता से जिम्मेदार है। दूसरी तरफ कांग्रेस का यह कहना कि यह मोदी की शिकस्त है। भाजपा की हिंदुत्ववादी विचारधारा को जनता द्वारा खारिज किया जाना है। यह 2024 की स्पष्ट भविष्यवाणी है। तो निश्चित रूप से इस तरह के बयान राजनीतिक नादानियां, हकीकत से दूर तथा खुद को भुलावे में रखने जैसा ही कहा जाएगा। देश की राजनीतिक पार्टियों को यह ध्यान रखना होगा कि देश की जनता ने कर्नाटक के साथ ही उत्तर प्रदेश में हुए निकाय चुनाव में भाजपा को क्लीनस्वीप दिया है। अभी हाल ही में पूर्वोत्तर के कई राज्यों सहित गुजरात जैसे राज्य में भाजपा नंबर वन का दर्जा हासिल किए हुए हैं। ऐसे में क्या इन राज्यों के जनादेश को कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ समझा जाए?

कर्नाटक से आए चुनाव नतीजों ने यह कलाई भी खोल दी है कि देश के दक्षिणी या पश्चिमी प्रांत उत्तर तथा पूर्व से अधिक आधुनिक सोच वाले और वास्तव में प्रगतिशील है। जाति तथा मजहब की दुखदायक बेड़ियों ने कर्नाटक के मतदाताओं को जिस तरह जकड़ा है वह यूपी बिहार लूटने वाले खलनायकों के उपकरणों से कम नहीं है। चुनाव के पहले महीनों से यह बहस गर्म रही है कि आबादी में लिंगायतों का प्रतिशत कितना है। वोकालिग्गा समुदाय का प्रतिशत कितना है। कुरुबा जो पिछड़ी जनजातियों में बहुसंख्यक हैं, कितने असरदार होंगे तथा अल्पसंख्यक मुसलमान किस करवट बैठेगा। इतना ही नहीं कर्नाटक में जो समस्याएं विकराल रूप में जनता की जिंदगी को दुष्कर बना चुकी हैं उनका

जिक्र केवल रस्म अदायगी के तौर पर घोषणा पत्रों में किया गया। सूखा, किसानों की दुर्गति, पर्यावरण का संकट, चरमराती नागरिक सेवाएं, कावेरी जल विवाद, शहरों तथा देहात के बीच गहराती खाई, नक्सली हिंसा, सांप्रदायिक कट्टरपंथी का उफनता ज्वार जैसी समस्याओं पर किसी ने खुलकर बात नहीं की। कहते हैं कि आप दूसरों को भरमा सकते हैं अपनों को नहीं। भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं को पता था कि कर्नाटक चुनाव में क्या होने वाला है क्योंकि बबूल का पेड़ उन्होंने खुद ही लगाया था। हार के कारणों की पड़ताल की जाएगी तो ढेर सारे सवाल उठेंगे। कर्नाटक में बीजेपी की हार का प्रमुख कारण मजबूत चेहरा ना होना रहा है। येदयुरप्पा को बीच कार्यकाल हटाकर बसवराज बोम्मई को बीजेपी ने भले ही मुख्यमंत्री बनाया हो, लेकिन सीएम की कुर्सी पर बैठे हुए बोम्मई का कोई खास प्रभाव नजर नहीं आया। वही कांग्रेस के पास डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया जैसे मजबूत चेहरे थे।

बीजेपी की हार के पीछे दूसरा अहम कारण भ्रष्टाचार का मुद्दा रहा। कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ शुरू से ही 40 फ़ीसदी करप्शन का एजेंडा सेट किया और धीरे-धीरे बड़ा मुद्दा बन गया। कर्नाटक के राजनीतिक समीकरण भी बीजेपी साध कर नहीं रख सकी। तीसरा, बीजेपी न ही अपने वोट बैंक लिंगायत समुदाय को अपने साथ जोड़कर रख पाई, न ही दलित, आदिवासी, ओबीसी, वोकालिग्गा समुदाय का ही दिल जीत सकी। वहीं कांग्रेस मुस्लिमों से लेकर दलित, ओबीसी को मजबूती से जोड़े रखने के साथ लिंगायत, वोक्कालिग्गा समुदाय के वोट बैंक में भी सेंधमारी करने में सफल रही। चौथा, कर्नाटक में एक साल से बीजेपी के नेता हलाला, हिजाब के मुद्दे उठाते रहे। ऐन चुनाव के समय बजरंगबली की भी एंट्री हो गई, लेकिन धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति बीजेपी के काम नहीं आई। कांग्रेस ने बजरंग दल को बैन करने का वादा किया तो बीजेपी ने बजरंग दल को सीधे बजरंगबली से जोड़ दिया। बीजेपी ने जमकर हिंदुत्व का कार्ड खेला पर यह दांव भी बेअसर रहा।

पांचवा, कर्नाटक में बीजेपी को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा इस बार चुनाव में साइडलाइन रहे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी का बीजेपी ने टिकट काटा तो दोनों ही नेता कांग्रेस का दामन थाम कर चुनाव मैदान में उतर गए। ये तीनों ही लिंगायत समुदाय के बड़े नेता माने जाते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना बीजेपी को काफी महंगा पड़ा। छठवां, कर्नाटक में बीजेपी की हार की बड़ी वजह सत्ता विरोधी लहर की काट नहीं तलाश पाना भी रही है। बीजेपी के सत्ता में रहने की वजह से उसके खिलाफ लोगों में नाराजगी थी लेकिन बीजेपी इससे निपटने का कोई रास्ता नहीं ढूंढ पाई। अब ऐसे में यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि इस चुनाव परिणाम से अगले साल के लोकसभा चुनाव पर क्या असर होगा? इसका सामान्य उत्तर तो यही होगा कि भाजपा के आक्रामक तेवर ढीले पड़ेंगे और कांग्रेस अधिक आत्मविश्वास से विपक्षी दलों को साथ लेकर सामना करने को तैयार होगी। वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा की सीटें कर्नाटक में कम हो सकती है। 2019 लोकसभा चुनाव में राज्य की 28 सीटों में से बीजेपी ने 25 और उसके समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी ने एक सीट जीती थी, जबकि कांग्रेस और जेडीएस को केवल एक-एक सीट मिली थी। ऐसे में कर्नाटक में बीजेपी का 2019 के नतीजे को दोहरा पाना मुश्किल हो सकता है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र के साथ अब कर्नाटक में बीजेपी की सीटें घट सकती है। इन राज्यों में हो रहे सीटों के नुकसान की भरपाई के लिए बीजेपी को और नए राज्य तलाशने होंगे।

दक्षिण के आंध्र प्रदेश, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और तेलंगाना में बीजेपी अभी तक खुद को स्थापित नहीं कर सकी है। दक्षिण के राज्यों में 130 सीटें आती है, जो कुल लोकसभा सीटों का 25% होता है। 2019 में बीजेपी को कर्नाटक और तेलंगाना में सीटें मिली थी, लेकिन साउथ के बाकी राज्यों में उसे कुछ नहीं मिला था। कर्नाटक के जरिए बीजेपी दक्षिण में अपना पैर पसारना चाहती है लेकिन अगर उसे कर्नाटक में ही झटका लग गया तो फिर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित दक्षिण के बाकी राज्यों में उसको बड़ा सियासी नुकसान हो सकता है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार के बाद दक्षिण भारत से उसकी घर वापसी की शुरुआत हो सकती है। कर्नाटक हारने से बीजेपी के अखिल भारतीय पार्टी होने वाले दावे को झटका लग सकता है। बीजेपी अपने दम पर दक्षिण के राज्यों में से सिर्फ कर्नाटक में ही जड़ें जमा पाई है। कर्नाटक को छोड़ दें तो दक्षिण के किसी राज्य में भी बीजेपी का कोई खास प्रभाव नहीं है। ऐसे में कर्नाटक की हार भाजपा के लिए व्यावहारिक ही नहीं मनोवैज्ञानिक रूप से भी परेशान करने वाली है।

कृपया इनसे सीखें — राजाराम ने 7 पहाड़ काट बनाई 40 किलोमीटर लंबी सड़क

बिहार के दशरथ मांझी जैसा ही महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में भी एक माउंटेन मैन है। पहाड़ 7 काट कर रास्ता बनाने वाले माँझी जैसी ख्याति 84 वर्षीय राजाराम भापकर को अब तक नहीं मिली। लेकिन भापकर ने भी अपने दम पर सड़कें बनाने के लिए सात पहाड़ काट डाले हैं। अहमदनगर जिले के गुंडेगाँव में अध्यापक रह चुके राजाराम भापकर ने पूरे इलाके में 40 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने के लिए सात पहाड़ काटने में अपनी जिंदगी के 57 साल लगा दिए। इस अथक परिश्रम से उनके इलाके के लोग उनका बहुत सम्मान करते हैं। भापकर गुरुजी के नाम से विख्यात यह शख्स देखने में एकदम साधारण ग्रामीण नजर आता है। सफेद कमीज, पैजामा और गांधी टोपी पहनने वाले भापकर ने अपने मजबूत इरादों से पहाड़ों को भी हिला दिया। सिर्फ सात जमात पढ़े भापकर ने बताया कि देश की आजादी के समय गुंडेगाँव से बगल के गाँव जाने के लिए पगडंडी तक नहीं थी। जब वह कोलेगाँव स्थित जिला परिषद स्कूल में 1957 से 1991 के बीच पढ़ाते थे, तब उनके गाँव के लोगों को कोलेगाँव जाने के लिए तीन गाँवों को पार करके जाना पड़ता था। उन्होंने अपनी जद्दोजहद का जिक्र करते हुए बताया कि सरकारी अमले से उन्होंने संतोष पर्वत को काटकर 700 मीटर की सड़क बनाने की अपील की। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसलिए राजाराम ने खुद ही आसपास के गाँवों से जोड़ने वाली सात सड़कें 57 साल की अवधि में बनाई। सबसे पहले भापकर ने कोलेगांव से डेउलगांव होकर जाने वाले 29 किमी रास्ते का छोटा विकल्प पहाड़ काटकर मात्र 10 किमी लंबा कच्चा रास्ता बनाकर किया। उनके साथ काम करने वाले ग्रामीणों को उन्होंने अपनी जेब से पैसा दिया।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1996 अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत के दसवें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।
2004 टेनिस खिलाड़ी रोजर फ़ेडेरर ने हेम्बर्ग मास्टर्स ख़िताब जीता।
2006 हॉलिवुड की चर्चित अदाकारा नाओमी वाट्स को संयुक्त राष्ट्र संस्था का राजदूत बनाया गया।
2006 न्यूजीलैंड के 47 वर्षीय मार्क इंजलिस कृत्रिम पैरों के सहारे एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले पहले व्यक्ति बने।
2007 निकोलस सरकोजी का फ्रांस के राष्ट्रपति के तौर पर कार्यकाल की शुरुआत।
2008 उच्चतम न्यायालय ने केन्द्रीय शिक्षण संस्थानों के स्नाकोत्तर पाठ्यक्रमों में 27% ओबीसी कोटा पर रोक के कोलकाता उच्च न्यायालय के निर्णय को ख़ारिज किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

संन्यासोपनिषद् (भाग-8)

गतांक से आगे...

निर्विकल्प स्वरूप का पूर्ण जानकार होकर, निर्विकल्प बन करके ही रहना चाहिए। आतुर संन्यासी यदि संन्यास लेने की इच्छा से जीवित रहे, तभी उसे क्रम-संन्यास प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए। शूद्र, स्त्री, पद भ्रष्ट तथा रजस्वला से कभी भी सम्भाषण नहीं करना चाहिए। किसी भी देवता के पूजनोत्सव को देखने के लिए संन्यासी को कभी नहीं जाना चाहिए। वे लौकिक कार्य संन्यासी के लिए नहीं हैं। आतुर और कुटीचक का भूः एवं भुवः लोक होता है, बहूदक का स्वर्गलोक होता है, हंस का तपोलोक एवं परमहंस का स्थान सत्यलोक होता है। तुरीयातीत तथा अवधूत श्रेणी के लोग भ्रमर-कीट के सदृश अपने स्वरूप का अन्वेषण करते हुए कैवल्य (केवल आत्मतत्त्व) रूप में प्रतिष्ठित हो जाते हैं।

संन्यासी के लिए अपने स्वरूप के अनुसंधान के अलावा अन्य विभिन्न शास्त्रों का निरन्तर अभ्यास करना, ऊँट के ऊपर केशर लादने के सदृश बेकार है। संन्यासी के लिए योग की प्रवृत्ति अथवा सांख्य शास्त्र का मंत्र-तंत्र का व्यापार आदि तथा किसी भी शास्त्र की प्रवृत्ति वर्जनीय है। यदि कोई संन्यासी ऐसा करता है, तो वह मृतक शव के ऊपर आभूषणों के समान है तथा संन्यासी के कर्म एवं विद्या के अनुकूल नहीं है। संन्यासी को किसी भी देवता के नाम तथा कीर्तन आदि में भाग नहीं लेना चाहिए। कारण यह है कि कोई भी कार्य करने के बाद उसका फल तो भोगना ही पड़ेगा। इसलिए एरण्ड (रेड़ी) तेल के फेन के सदृश सभी का परित्याग कर देना चाहिए। संन्यासी को न तो किसी देवी-देवता का प्रसाद ग्रहण करना चाहिए और न ही किसी बाह्य देवता आदि की पूजा ही करनी चाहिए। संन्यासी को चाहिए कि वह अपने अतिरिक्त सभी का त्याग करके अपने हाथ रूपी पात्र से मधुकरी वृत्ति पर जीवनयापन करे। जिससे कि उसके शरीर में चर्बी की वृद्धि न हो तथा उसको सतत विचरण करते रहना चाहिए। वह हाथ रूपी पात्र के द्वारा या मुख रूपी पात्र के द्वारा भिक्षा ग्रहण करते हुए जीवन व्यतीत करे। संन्यासी को पेट के चार भागों में से दो भाग में आहार (भोजन) ग्रहण करना चाहिए। एक भाग में जल तथा एक भाग वायु संचरण के लिए रिक्त रखना चाहिए।

क्रमशः ...

बेसहारा बच्चों का जीवन संवार रहे कांस्टेबल धर्मवीर

राजस्थान ही नहीं, देश में कहीं भी पुलिस महकमे और पुलिसकर्मी का नाम सुनते ही जेहन में एक ऐसी खौफनाक तस्वीर आती है जिसका सामना कोई भी नहीं करना चाहता। पुलिस को हमेशा सख्ती और रौब के लिए जाना जाता है। लेकिन राजस्थान पुलिस के कांस्टेबल धर्मवीर जाखड़ ने इस धारणा को बदल दिया है।

चूरू पुलिस थाने में तैनात कांस्टेबल धर्मवीर गरीब और बेसहारा बच्चों का जीवन सँवारने में जुटे हैं। इसके लिए उन्होंने आपणी पाठशाला (अपनी पाठशाला) नाम से एक स्कूल खोल रखा है। वह यहाँ बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देते हैं। यही नहीं, वह अपने वेतन का 20 फीसद हिस्सा भी इन बच्चों पर खर्च कर देते हैं। इस काम में उनके साथी पुलिसकर्मी भी सहयोग कर रहे हैं। चूरू महिला पुलिस थाने के पास छोटे से स्थान पर संचालित होने वाली पाठशाला में धर्मवीर ड्यूटी पूरी करने के बाद बच्चों को स्वयं पढ़ाते हैं। गरीब और अनाथ बच्चों का जीवन सँवारने का उनका यह जज्बा देखकर साथी पुलिसकर्मी भी समय

निकालकर बच्चों को पढ़ाने पाठशाला पहुंच हैं। धर्मवीर झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के हाथों से भीख का कटोरा छीनकर उन्हें पाठशाला में लाकर कलम थमा देते हैं। वह गरीब और बेसहारा बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने में जुटे हैं।

पाठशाला में पढ़ रहे 170 बच्चे- धर्मवीर ने यह पाठशाला 2016 में भीख माँगने वाले गरीब और बेसहारा बच्चों का जीवन सँवारने के उद्देश्य से शुरू की थी 34 बच्चों से शुरु हुई इस पाठशाला में अब 170 बच्चे पढ़ रहे हैं।

लोगों की मदद से दिलाते हैं उच्च शिक्षा भी : प्राथमिक कक्षा तक पढ़ाने के बाद धर्मवीर बच्चों को सरकारी अथवा गैर सरकारी स्कूलों में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश भी दिलाते हैं। इस काम में भी साथी पुलिसकर्मी व दानदाता मदद करते हैं।

बच्चों को भीख माँगते देख होती थी पीड़ा : धर्मवीर ने कहा कि जब भी मैं शहर से होकर गुजरता था, बच्चों के हाथों में भीख माँगने का कटोरा देखता थां यह देख मुझे बहुत पीड़ा होती थी। मैं बस यही सोचता रहता था कि आखिर कैसे इनका जीवन सँवारा जा सकता है। फिर क्या था एक दिन मैंने इस बात का निर्णय ले ही लिया और %आपणी पाठशाला% खोल दी। उन्होंने बताया कि मेरा उद्देश्य ऐसे बच्चों को भीख नहीं, बल्कि सीख देना है।

डीजीपी ने थपथपाई पीठ : पिछले दिनों राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) भूपेंद्र सिंह यादव चूरू जिले के दौरे पर आए तो पाठशाला में आकर धर्मवीर जाखड़ की पीठ थपथपाई। यादव ने पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चों के साथ संवाद भी किया। डीजीपी भूपेंद्र सिंह यादव ने कहा कि पुलिसकर्मी द्वारा इस तरह का कार्य करना हमारे लिए सम्मान की बात है। पूरे विभाग को धर्मवीर जाखड़ पर गर्व है। वह बच्चों को शिक्षा ही नहीं दे रहे बल्कि गरीब और बेसहारा बुज़ुर्गों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हैं

तुर्की में भारत विरोधी एर्दोगन को 'गांधी' ने रोका

अभिनय आकाश

तुर्की में वोटिंग हो चुकी है और वहां की जनता ने 14 मई को अपना नया राष्ट्रपति चुनने के लिए वोट डाला। लेकिन इस बार का चुनाव तुर्की के लिए खास है क्योंकि लगातार दो दशक तक सत्ता में रहने वाले मौजूदा राष्ट्रपति एर्दोगन तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की रेस में हैं। मतदान में जरूरी 50 प्रतिशत वोट किसी को नहीं मिले हैं। इस बार का चुनाव तुर्की में सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले एर्दोगान के लिए इतनी भी आसान नहीं है। 74 साल के पूर्व नौकरशाह कमाल कलचदारलू मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। वह गांधीजी जैसा गोल चश्मा पहनते हैं और बेहद विनम्र हैं। उन्हें तुर्की का गांधी भी कहा जाता है। इकनॉमिक्स में स्कॉलर रहे। देश के वित्तीय संस्थानों में शीर्ष पदों पर रहे। वह 2002 में रिपब्लिकन पीपल्स पार्टी से जुड़े। यह देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है। इसकी स्थापना आधुनिक तुर्किये के संस्थापक मुस्तफा कमाल अतातुर्क ने की थी। मार्च में सीएचपी समेत छह विपक्षी दल साथ आए, जिन्होंने कलचदारलू को विपक्षी गठबंधन का राष्ट्रपति उम्मीदवार चुना। कलचदारलू ने कहा कि अगर मैं जीता तो सीरिया से फौजें वापस बुलाएंगे, सीरिया के शरणार्थियों को वापस भेजा जाएगा।

वोटिंग से ठीक पहले कैमल ने 12 मई को एक बड़ी रैली की, जिसमें समर्थकों की भारी भीड़ के साथ पूरा विपक्ष भी मंच पर दिखाई दिया। एर्दोगान के खिलाफ एक तरफ पूरा विपक्ष एकजुट है, तो वहीं तुर्की में अब तक जो भी ओपिनियन पोल सामने आए वो कैमल को जीत का प्रबल दावेदार बता रहे

थे। बता दें कि तुर्की के छह मजबूत दलों ने गठबंधन करके कैमल को अपना नेता चुना है। ये तमाम पार्टियां विचारधाराओं और समुदायों से भी ताल्लुक रखती हैं।

मुख्य रूप से खराब होती अर्थव्यवस्था, 44त्न की दर से भारी पड़ती महंगाई और 50 हजार लोगों का काल बना फरवरी में आया भूकंप इस चुनाव के प्रमुख मुद्दे रहे। 69 वर्षीय राष्ट्रपति मतगणना एर्दोऑन जस्टिस ऐंड डिवेलपमेंट पार्टी (एके) के नेता हैं। तुर्किये इस साल अक्टूबर में अपनी स्थापना यानी गणतंत्र की शताब्दी मनाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की 100वीं वर्षगांठ पर नया संविधान कानून के शासन को मजबूत करेगा।

वर्षों के आर्थिक कुप्रबंधन के बाद नवंबर 2022 में तुर्की की मुद्रास्फीति दर 85 प्रतिशत पर पहुंच गई। फिर ये दिसंबर में कुछ कम होकर 64 प्रतिशत हो गई। यह यूरोप में अब तक की सबसे ऊंची दर है। तुर्की का विदेशी मुद्रा भंडार घट रहा है और राष्ट्र को बढ़ते चालू-खाता घाटे का सामना करना पड़ रहा है। 3.6 मिलियन सीरियाई शरणार्थियों की उपस्थिति से तुर्की की आबादी तेजी से असंतुष्ट है, जिसे तुर्की ने सीरियाई गृहयुद्ध की शुरुआत में स्वीकार किया था। एर्दोगन के बढ़ते निरंकुश 20 साल के शासन से भी थकान बढ़ रही है। पूरी पीढ़ी किसी अन्य नेता को नहीं जानती। राष्ट्रपति पद के लिए जितने भी उम्मीदवार मैदान में होते हैं, उनमें से किसी भी एक उम्मीदवार को अगर आधे से ज्यादा वोट मिलें तो वह सीधा राष्ट्रपति बन जाता है। अगर किसी को 50त्न मत नहीं मिलते तो सबसे ज्यादा मत पाने वाले दो उम्मीदवारों के बीच फिर सीधा मुकाबला होता है।

तुर्की में प्रधानमंत्री के पास ही सबसे अधिक शक्ति होती है। एर्दोगन ने प्रधानमंत्री का पद ही समाप्त कर दिया था। देश में राष्ट्रपति की प्रथा को शुरू किया। नई व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव एक ही दिन होते हैं। तुर्की की 600 सीटों वाली संसद में प्रवेश के लिए एक पार्टी के पास 7 प्रदतिशत वोट होना जरूरी है। फिर पार्टी किसी ऐसे गठबंधन का हिस्सा हो जिसके पास वोटों की जरूरी संख्या मौजूद हो। तुर्की में एक व्यक्ति केवल 2 टर्म तक ही राष्ट्रपति रह सकता है। एर्दोगन के 2 कार्यकाल पूरे हो चुके हैं। लेकिन 2017 में राष्ट्रपति के अधिकारों से जुड़ा रेफरेंडम लाया गया था, जिसकी वजह से उनका कार्यकाल जल्दी खत्म हो गया। इसी वजह से एर्दोगन को तीसरी बार चुनाव लड़ने की इजाजत मिल गई।

तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और उनके विपक्षी प्रतिद्वंद्वी केमल किलिकडारोग्लू के महत्वपूर्ण चुनाव जीतने के लिए आवश्यक 50 प्रतिशत की सीमा तक न तो पहुंचने के कारण अब सभी की निहागे 28 मई पर जाकर टिक गई हैं। एर्दोगन अपने सत्तावादी शासन पर एक फैसले के रूप में देखे जाने वाले चुनाव में राष्ट्रपति के रूप में तीसरे पांच साल के कार्यकाल की मांग कर रहे हैं। उन्होंने देश पर 20 वर्षों का लंबा शासन किया है। 28 मई को होने वाले दूसरे दौर के मतदान से बचने के लिए न तो उन्होंने और न ही किलिकडारोग्लू ने आवश्यक 50 प्रतिशत के वोट प्राप्त हो सके। सरकारी अनादोलु समाचार एजेंसी के अनुसार, एर्दोगन 49.39 प्रतिशत वोटों के साथ आगे चल रहे हैं, जबकि किलिकडारोग्लू 44.92 प्रतिशत वोटों के साथ कड़ी टक्कर दे रहै हैं।

तुर्की की 2 बड़ी पार्टियों के अलावा इस चुनवा मैं नए नए उम्मीदवार सिनान ओगन की पार्टी एटीए अलायंस ने भी 5 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए हैं। अब एर्दोगन और कमाल को सत्ता में लाने के लिए भूमिका निभाएंगे। अलजजीरा के अनुसार उन्हें दोनों मुख्य पार्टियां अपनी ओर लाने की पूरी कोशिश करेंगे।

दोनों खेमों ने जीत का दावा किया क्योंकि मतगणना चल रही थी। जबकि एर्दोगन के समर्थकों ने राजधानी अंकारा सहित विभिन्न शहरों में जश्न मनाया, किलिकडारोग्लू ने अपने समर्थकों से धैर्य रखने का आग्रह किया और एर्दोगन की पार्टी पर मतगणना प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति चुनाव से पहले, कई जनमत सर्वेक्षणों ने कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी की थी।

तुर्की में पहले राउंड में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिलने की वजह से 28 मई को दोबारा वोटिंग होगी। जिसमें अभी 12 हफ्ते हैं।

बापू की दिनचर्या

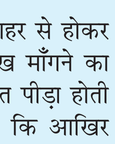

जलपान (भाग-2)

गतांक से आगे...

अमीर और गरीब का प्रश्न यहाँ अपने-आप उपस्थित हो जाता है। अंत में उन्होंने अपने साथी मि. कलनबक के आग्रह से सन् 1912 में टालस्टाय फार्म में न केवल गाय के, बल्कि किसी भी पशु के दूध का परित्याग करने का संकल्प कर लिया- यहाँ तक कि गाय-भैंस के घी और मट्ठे तक का परित्याग कर दिया। बाद में सन् 1918 में में आँव की बीमारी के बाद डॉक्टरों द्वारा दूध लेना अनिवार्य बताने पर बा के विशेष आग्रह से उन्होंने बकरी का दूध किसी प्रकार स्वीकार किया, लेकिन उसे भी छोड़ने की धुन में वे बराबर रहा करते। उसका सेवन करते समय वे नित्य कष्ट का अनुभव करते। कहते कि इस लोभ में पड़ना ठीक नहीं हुआ; किंतु जीवित रहने की प्रबल आकांक्षा ने ऐसा करने के लिए विवश कर दिया। बापू के लिए आश्रम में जो बकरी थी, उसे नहलाया और बहुत आराम से रखा जाता। उसके थनों को वे खूब अच्छी तरह धुलवाते और उसके बच्चे को पहले भर-पेट दूध पिलाकर तब दुहवाते। दूध पर सबसे प्रथम उसका और उसकी तृप्ति हो जाने पर वे अपना अधिकार मानते । गाय का दूध त्यागने और बकरी का दूध ग्रहण करने पर भी बापू दूध का प्रतिनिधित्व करनेवाले द्रव्यों के प्रयोगात्मक परीक्षण बराबर करते रहे। दूध में मौजूद शक्ति बहुत-कुछ अंशों में जैतून के तेल और बादाम की गिरी में है, ऐसा उन्होंने अनुभव किया। न केवल पूरक रूप में, बल्कि दूध खराबियों से रहित इन दोनों को वे बताते। वे मानते कि बादाम का सेवन की करने के बाद दूध की कोई खास जरूरत नहीं रहती। दूध से बननेवाली छाछ के बजाय नींबू, बादाम की गिरी तथा घी के स्थान पर जैतून का तेल एवं कच्चे नारियल की गिरी को कसकर और उसमें पानी मिलाकर साफ कपड़े से छानकर निकाले दूध का उपयोग वे किया करते। फिनिक्स आश्रम में क्यूने पद्धति से निर्मित डबल रोटी, खजूर, नारंगी के छिलकों का मुरब्बा या फल और गेहूँवाली काफी - ये चीजें बापू के जलपान में रहतीं। नारंगियाँ वहाँ काफी थीं।

क्रमशः ...

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में हार से बौखलाई भाजपा : मुख्यमंत्री

रायपुर। सीएम भूपेश बघेल ने केंद्र की मोदी सरकार पर जोरदार हमला किया है। ईडी मामले कहा कि केन्द्र की ओर से पक्षपातपूर्वक कार्रवाई की जा रही है। अपनों पर रहम, गैरों पर सितम की तरह कार्रवाई हो रही है। पुलिस परेड ग्राउंड स्थित हेलीपेड में पत्रकारों से चर्चा में विधानसभा चुनाव में सीटों के टारगेट के सवाल पर कहा कि अबकी बार 75 पार। उन्होंने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार के बाद बीजेपी नेता बौखलाए हुए हैं। आगामी दिनों में छत्तीसगढ़ में ईडी ताबड़तोड़ कार्रवाई करेगी। सीएम ने कहा कि जिस प्रकार से कोई जानवर घायल होने पर और ज्यादा हिंसक हो जाता है, ठीक उसी तरह बीजेपी कर्नाटक में हार के बाद बौखलाई हुई है। इस वजह छत्तीसगढ़ में ताबड़तोड़ ईडी की कार्रवाई करवाएगी। जांजगीर चांपा के नवागढ़ में नशीली शराब पीने से हुई मौत पर कहा कि जांच कराएंगे इसमें जो भी व्यक्ति दोषी होगा । उस पर कार्रवाई की जाएगी

सेलूद स्वतंत्रा संग्राम सेनानियों एवं संतों की पावन भूमि है : सांसद विजय बघेल

पाटन। कबीर आश्रम सेलूद में आयोजित दो दिवसीय संत समागम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल दुर्ग लोक सभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने कहा संत कबीर का जीवन सदैव उन लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना रहेगा जो समाज को रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्त करना चाहते हैं। सेलूद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं संतों की पावन भूमि है जहाँ पर कबीर आश्रम के महंत सुकृत शास्त्री जी माध्यम से लोगों को विगत 42 वर्षों से संतों की बानी सुनने एवं कबीर के बताए मार्ग पर चलने लोगों को प्रेरणा मिल रहा है। सांसद बघेल ने कबीर आश्रम की मांग पर सर्व सुविधा युक्त शौचालय निर्माण किये जाने की घोषणा किये। संचालन छोटे महंत परमेश्वर साहेब ने किया। आभार प्रदर्शन तहसील साहू संघ पाटन के महासचिव खेमलाल साहू ने किया। मौके पर संत भूपत साहेब, सरपंच सेलूद श्रीमती खेमीन साहू, लालेश्वर साहू, लालजी साहू,प्यारेलाल साहू,रमेश देवांगन,तारेन्द्र बंछोर मुकतु राम साहू, भोला राम साहु, अनिल बनपेला, हरप्रसाद अडिल, टिकेश्वरी साहू सहित विशाल संत समाज व अन्य ग्रामीणजन उपस्थित थे।

बस्तर की नीतू ने किया नाम रौशन सीजीपीएससी परीक्षा में बनी डीएसपी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा के नतीजे शुक्रवार को जारी किए गए।

बस्तर जिले के घोटिया गांव में रहने वाली नीतू सिंह ठाकुर ने 336वीं रैंक हासिल की है। नीतू का चयन डीएसपी के लिए हुआ है। सरकारी स्कूल में पढ़ी नीतू ने सीजीपीएससी की सबसे कठिन माने जाने वाली परीक्षा पास की है। इसके लिए नीतू 2019 से लगातार प्रयास कर रही थीं। यह उनका दूसरा अटेम्प्ट था। बस्तर ब्लॉक के घोटिया स्थित गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल से 12वीं तक की पढ़ाई की। कोरोना काल के दौरान उन्होंने घर में रहकर सीजीपीएससी की तैयारी की। नीतू की उपलब्धि से उनके माता-पिता काफी खुश हैं नीतू के चयन की जानकारी लगते ही लगातार उनके घर पर लोग पहुंचकर बधाई दे रहे हैं।

धूं-धूं कर जलने लगी बोलेरो, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में चलती गाड़ी में आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन भीषण आग की चपेट में आने से गाड़ी जलकर खाक हो गई। यह घटना जिले के अम्बेडकर चौक की है। मिली जानकारी के अनुसार, बलौदाबाजार मेन रोड में चलती बोलेरो में आग लग गई। इससे गाड़ी धूं-धूं कर जलने लगी। आसपास मौजूद लोग आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गए। वहीं मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम भी आग बुझाने में जुट गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि, तेज गर्मी के कारण गाड़ी में आग लगी होगी।

महिलाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने नवविवाहित वधुओं का हुआ सम्मान

मनेंद्रगढ़। स्वीप कार्ययोजना के तहत मतदान प्रक्रिया से जोड़ने नवविवाहिताओं का सम्मान किया जा रहा है इसके साथ ही मतदाता सूची में नाम जोडने की कार्यवाही भी की जा रही है। बीएलओ एवं उनकी टीम के द्वारा घर घर दस्तक देकर लोगों को मतदान प्रक्रिया से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार दुग्गा के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में महिला मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के प्रति प्रेरित करने हेतु स्वीप कार्ययोजना के तहत बीएलओ द्वारा मतदान केन्द्रों में नवविवाहिता वधुओं को सम्मानित किया गया तथा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई। स्वीप कार्ययोजना के अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों पर नवविवाहिता वधू सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मतदान केन्द्रों मे विगत के वर्षो में विवाहोपरांत आने वाली नवविवाहिता वधुओं का बूथ लेवल पर अधिकारियों के द्वारा श्रीफल,चंदन एवं रोली का टीका लगाकर सम्मान किया गया तथा उपस्थित नवविवाहिता वधुओं के समक्ष वोटर हेल्पलाईन एप्प के माध्यम से पंजीयन की प्रक्रिया को प्रदर्शित करते हुए उन्हे मतदाता जागरूकता हेतु शपथ भी दिलाई गई।

तालाबों के शहर में पानी के लिए आठों पहर संघर्ष

भारत में 100 करोड़ लोग चौबीसों घंटे पानी के लिए जूझ रहे

शशांक खरे

किसी ज़माने में राजधानी रायपुर में 300 तालाब हुआ करते थे, किंतु अब तालाबों की संख्या गिनती की रह गई है। नतीजा, वाटर लेवल का लगातार गिरना और पानी के लिए आठों पहर संघर्ष करते ज़रूरतमंद। भले ही प्रशासन का दावा है कि पानी की यहां कोई किल्लत नहीं है, किंतु शहर के कई इलाके आज भी टैंकर के भरोसे हैं। जिस इलाके में टैंकर से जलापूर्ति हो रही है, वहां की स्थिति अत्यंत ही ख़राब है। पानी के लिए रिश्ते-नाते, संबंध सब तार-तार हो रहे हैं, वहीं कई बार तो मारपीट की स्थिति निर्मित हो जाती है। राष्ट्रीय परिदृश्य तो और भी दयनीय है। भारत में 100 करोड़ लोग चौबीसों घंटे पानी के लिए जूझ रहे।

मीडिया के प्रकाश में आई एक रिपोर्ट के अनुसार राजधानी रायपुर में पिछले नौ सालों में कुल 118 तालाब पाट दिए गए। तालाबों की जगह आलीशन बिल्डिंग, एक से बढक़र एक कॉलोनी विकसित हो गई हैं। साल 2014 में वन विभाग ने एक रिसर्च करवाया था, जिसमें तालाबों की संख्या 227 थी, अब नगर निगम रायपुर ने एक आंकड़ा जारी किया है, जिसके मुताबिक तालाबों की कुल संख्या 109 है। तालाबों की घटती संख्या ने एक नहीं, कई समस्याओं को जन्म दिया है। गिरता भूजल स्तर एक विकट समस्या है। पानी ही नहीं रहेगा, तो जीवन कैसे रहेगा, इस बात की फिक्र न प्रशासन को है, न ही समाज को। जानकार और केंद्रीय भूजल सर्वेक्षण की एक रिपोर्ट तो यह भी बताती है, कि राजधानी के दूधाधारी मठ के सामने महराजबंध तालाब का कुल रक़बा 100 एकड़ था, अब 33 एकड़ में सिमट गया है। पहले इस इलाके में 50 फुट में पानी मिल जाता था, अब वाटर लेवल 300 फुट तक चला गया है। टिकरापारा के पास सरयूबांधा तालाब की स्थिति जुदा नहीं है। लगभग 100 एकड़ के रक़बे वाले तालाब का आकार 35 एकड़ हो गया है। आसपास झुग्गी बस्तियां और अवैध कॉलोनियां बस गई हैं। यहां भू जल स्तर 250 फुट नीचे चला गया है। लेडी तालाब में शास्त्री सब्ज़ी मार्केट, श्याम टॉकीज़ में इनडोर और आउटडोर स्टेडियम, कटोरा तालाब में पूरा इलाका व्यावसायिक हो गया है। यहां वाटर लेवल 300 से 400 तक गिर चुका है। एक-दो नहीं, पूरे रायपुर शहर के सभी तालाबों की स्थिति किसी से छुपी नहीं है।

विश्व जल दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है। किंतु, जल दिवस की अनुगूंज किसी को भी सुनाई नहीं देती। यानी, इस दिन विशेष पर केवल जल दिवस मनाने की औपचारिकता ही निभाई जाती है। भले ही हम पुष्टि नहीं कर सकते, किंतु अंतिम सत्य तो यही है कि 22 मार्च से लेकर लेख लिखने तक उचित प्रबंध न होने से नदियों, जलाशय, नलों की टोंटियों से अरबों लीटर पानी व्यर्थ बह गए, पर जिस जल को बचाने की अपील के साथ दूसरे दिन जगह-जगह जल दिवस के आयोजन हुए, उसी जल की कीमत नहीं समझी गई। जल दिवस पर जल बचाने संकल्प तो लिया गया, पर दूसरे दिन जल संरक्षण के प्रति लापरवाही पूर्व दिनों की भांति जारी रही। यह है समाज का दोहरा चरित्र। पर्व और परंपराएं, हमारी संस्कृति की संवाहक होती हैं, इसमें कोई दो राय नहीं। किंतु, समय के सापेक्ष कुछ नतीजे सामने आते हैं, प्रतिक्रियाएं होती हैं, परिवर्तन होता है। इस परिवर्तन में हम जल संरक्षण को क्यों अनिवार्य हिस्सा नहीं मानते हैं। यहां पर सवाल जल दिवस जैसे महत्वपूर्ण आयोजन की महज रस्म अदायगी को लेकर खड़ा होता है। पूरे देश में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। हर साल देश के कई हिस्से हर साल सूखे की चपेट में आ जाते हैं। पानी के अभाव में खेती चौपट हो जाती है। हताशा में किसान आत्महत्या तक कर लेते हैं। दुनिया में 400 करोड़ तो भारत में 100 करोड़ लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। भारत में 100 करोड़ लोग चौबीसों घंटे पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ग्राउंड वाटर का 24 फ़ीसदी उपयोग में

हाल में मीडिया में आई वाटर एड की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के कुल ग्राउंड वाटर का 24 प्रतिशत हम इस्तेमाल करते हैं। यूएसएड की रिपोर्ट के मुताबिक अगले साल भारत जलसंकट वाले देशों की सूची में शामिल हो जाएगा। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों और तय मात्रा की तुलना में ग्राउंड वाटर का दोहन 70 प्रतिशत ज्यादा हो रहा है। इससे हर साल जल स्तर 10 सेंटीमीटर तक नीचे जा रहा है। जबकि 70 प्रतिशत पानी का उपयोग दुनिया भर में खेती और उससे जुड़े दीगर कामों के लिए होता है। भारत में 1170 मिमी औसत बारिश होती है। किंतु, इस पानी का केवल छह प्रतिशत ही हम सहेज पाते हैं। देश के 91 प्रमुख जलाशयों में जलस्तर क्षमता के 25 प्रतिशत पर है।

21 शहर डे ज़ीरो पर होंगे

विडंबना देखिए, आज़ादी के 73 सालों बाद भारत में शुद्ध जल की प्राप्ति एक विकट समस्या है। वाटर क्वालिटी इंडेक्स के 122 देशों की सूची में भारत का स्थान 120 है। 2030 तक भारत में 21 शहर डे ज़ीरो पर होंगे। यानी, इनके पास पानी के स्त्रोत नहीं बचेंगे। साल में पानी का दोहन 23 प्रतिशत तक बढ़ा है। यानी, दिनों दिन पानी की खपत में बढ़ोतरी हो रही है, वहीं औसत वर्षा घटती जा रही है।

विश्व पर मंडराया संकट

पूरे विश्व में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। 7500 द्वीपों वाला देश भी घोर जल संकट का सामना कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन शहर का हाल सभी जानते हैं। अब मनीला में लोग 24 घंटे पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यूएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2050 तक दुनिया के 200 शहर डे ज़ीरो की समस्या झेलेंगे। इनमें दस बड़े शहर बेंगलुरु, बीजिंग, इस्तांबुल, मेक्सिको सिटी, सना, नैरोबी, साओ पाउलो, कराची, काबुल और ब्यूनसऑयर्स शामिल हैं। वाटर एड की रिपोर्ट के मुताबिक अगले 20 सालों में 33 देश सबसे कम पानी वाले देश हो जाएंगे। इन बातों से अनुमान लगाया जा सकता है, कि जल बहाना आवश्यक है या जल बचाना। समय रहते चेत जाएं। वरना ये धरती रहने के लायक नहीं रहेगी। लोग अकाल मौत के गाल में समा जाएंगे। विनाश और अंधाधुंध दोहन से आहत प्रकृति हमें सचेत कर रही है। जल दिवस ही क्यों, हर रोज़, हर सुबह सूरज की सप्तरंगी किरणों के साथ आने वाली पीढ़ी के लिए जल बचाने, कल बचाने का संकल्प लें।

दक्षिण अफ्रीका में हाहाकार

दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केपटाउन शहर ताज़ा उदाहरण है। इस शहर को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया है। सरकार ने 14 अप्रैल 2023 के बाद से पानी की आपूर्ति करने से हाथ खड़े कर दिए हैं। केपटाउन में नहाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दस लाख लोगों के नल कनेक्शन काटने की तैयारी चल रही है। जगह-जगह पानी टैंकर से पानी बेचा जाएगा। जहां 25 लीटर से ज्यादा पानी किसी को भी नहीं दिया जाएगा। पानी के लिए हुज्जतख़ोरी करने वालों पर फोर्स की नज़र रहेगी। क्या हम भी ऐसा ही वातावरण चाहते हैं। दक्षिण अफ्रीका की यह दुखद यात्रा, पूरे विश्व समुदाय की आंखें खोलने वाली है। इससे भी हम नहीं चेते तो आने वाली इस भयावह स्थिति से गुज़रने हमें तैयार रहना चाहिए।

एक तथ्य ये भी...

छत्तीसगढ़ वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (एसएफईटीआई) ने कुछ समय पहले रायपुर और नया रायपुर में तालाबों और झीलों की स्थिति पर रिसर्च किया। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल के सहयोग से रिसर्च हुआ। रिसर्च में रायपुर शहर में 54 प्रमुख तालाबों के सूखने का पता चला।

स्कूलों में लाइब्रेरी में किताब उपलब्ध, लेकिन लाइब्रेरियन नियुक्त नहीं : फेडरेशन

- प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेगा, विद्यार्थियों का हित होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं उप प्रान्ताध्यक्ष राजेन्द्र सिंह दद्दा ने जानकारी दिया है कि स्कूल शिक्षा विभाग के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को राज्य शासन के द्वारा प्रतिवर्ष ज्ञानवर्धक पुस्तकों को विद्यार्थी हित के दृष्टिगत भेजा जा रहा है। लेकिन अधिकांश विद्यालयों में विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु पुस्तकें उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग के भर्ती नियम 5 मार्च 2019 में ग्रंथपाल (निम्न वेतनमान) का 1857 पद वेतनमान 5200-20200 + ग्रेड पे 1900 (लेवल-4) स्वीकृत है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने बताया कि सन 2008 से ग्रंथपाल (निम्न वेतनमान) का 2346 पद स्वीकृत हैं। जिसमें केवल 120 कार्यरत हैं एवं 2226 पद रिक्त पड़ा है। जबकि भर्ती नियम में ग्रंथपाल 100 प्रश सीधी भर्ती का पद है। ग्रंथपाल पद पर नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यता हायर सेकण्डरी उत्तीर्ण के साथ पुस्तकालय योजना का प्रमाणपत्र आवश्यक है।

उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ राज्य के सरकारी स्कूलों में अधिकांश विद्यार्थी आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आते हैं। विद्यार्थियों को स्कूली पढ़ाई-परीक्षा के साथ-साथ भविष्य के प्रतियोगी परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पढने् की आदत की महत्वपूर्ण भूमिका है। जोकि पुस्तकालय (लाइब्रेरी) में ही संभव है। उन्होंने बताया कि आर्थिक अभाव एवं संसाधन की कमी के कारण बहुत से होनहार विद्यार्थी निराश होकर परिवार के जीवन यापन के काम में लग जाते हैं। उनका कहना है कि लाइब्रेरी (पुस्तकालय) विद्यार्थियों को ज्ञान-विज्ञान की जानकारी प्रदान करने में सहायक होते हैं । पुस्तकालय से विद्यार्थियों को पढने् का वातावरण और विचारों के आदान प्रदान करने का अवसर एवं सत्संग मिलता है। जोकि विद्यार्थियों को अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय का संचालन सही ढंग से करना विद्यार्थी हित में आवश्यक है।

छत्तीसगढ़ में तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य तेजी से जारी

- 16.72 लाख मानक बोरा के लक्ष्य के विरूद्ध 7.48 लाख मानक बोरा संग्रहित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेन्दूपत्ता संग्रहण वर्ष 2023 के दौरान अब तक 7 लाख 48 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है, जो लक्ष्य के 45 प्रतिशत के करीब है। ज्ञातव्य है कि राज्य में चालू वर्ष के दौरान 16 लाख 72 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता के संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में वनांचल के आदिवासी-वनवासियों द्वारा तेंदूपत्ता का संग्रहण कार्य तेजी से जारी है।

प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ श्री अनिल राय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक संग्रहित मात्रा में से वनमण्डल बीजापुर में 38 हजार 579 मानक बोरा तथा सुकमा में 85 हजार 799 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण शामिल है। इसी तरह वनमण्डल दंतेवाड़ा में 15 हजार 630 मानक बोरा, जगदलपुर में 195 हजार 446 मानक बोरा, दक्षिण कोण्डागांव में 17 हजार 853 मानक बोरा तथा केशकाल में 24 हजार 577 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। वनमण्डल नारायणपुर में 17 हजार 369 मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 39 हजार 663 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 11 हजार 874 मानक बोरा, तथा कांकेर में 28 हजार 312 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

इसी तरह वनमण्डल राजनांदगांव में 30 हजार 581 मानक बोरा, खैरागढ़ में 14 हजार 781 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। बालोद में 15 हजार 159 मानक बोरा, कवर्धा में 19 हजार 41 मानक बोरा, वनमण्डल धमतरी में 19 हजार 228 मानक बोरा, गरियाबंद में 73 हजार 537 मानक बोरा, महासमुंद 57 हजार 484 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार 11 हजार 832 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है। वनमण्डल बिलासपुर में 12 हजार 580 मानक बोरा, मरवाही 3 हजार 16 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 4 हजार 936 मानक बोरा, रायगढ़ में 38 हजार 908 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 56 हजार 177 मानक बोरा, कोरबा में 29 हजार 989 मानक बोरा तथा कटघोरा में 26 हजार 744 मानक बोरा का संग्रहण हुआ है। इसी तरह वनमण्डल जशपुर में 18 हजार 761 मानक बोरा, मनेन्द्रगढ़ 4 हजार 410 मानक बोरा और सरगुजा में 7 हजार 357 मानक बोरा, बलरामपुर में 1 हजार 519 मानक बोरा, सूरजपुर में 3 हजार 183 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

नैतिक मूल्यों की शिक्षा देने का समर कैम्प अच्छा माध्यम है: कुलपति

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित प्रेरणा समर कैम्प का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। समापन समारोह में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानन्द शुक्ल, संयुक्त जिलाधीश उज्जवल पोरवाल, भिलाई आई.आई. टी. के निदेशक राजीव प्रकाश, डॉ. बनारसी साह, ब्रह्माकुमारी सौम्या और रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानन्द शुक्ल ने समर कैम्प आयाजित करने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय इसकी बहुत अधिक आवश्यकता है। बच्चों में अच्छे गुणों और संस्कारों का बीज बोने का यह सही समय है। उन्होंने मातृ दिवस पर अपनी माँ का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि उन्हें जीवन मूल्यों की शिक्षा अपनी माँ से मिली। हमारी संस्कृतिमूल्यों पर टिकी है। इसलिए हमें भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि इसमें बच्चों में रचनात्मकता की झलक दिखाई देती है।

भिलाई आई आई टी के निदेशक राजीव प्रकाश ने कहा कि यह प्रतिस्पर्धा का युग है जहाँ पर बच्चे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना बचपन खोते जा रहे हैं। जिस फील्ड में उनकी प्रतिभा है उस फील्ड में आगे बढने् की बजाय पीछे पैकेज के पीछे भाग रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि पैकेज के लिए बच्चों से उनका बचपन न छीनें। वह जिस फील्ड में योग्यता रखता है उसी फील्ड में उसे प्रोत्साहित करें। एडीशनल कलेक्टर उज्जवल पोरवाल ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों के चारित्रिक विकास में समर कैम्प मददगार बनेगा। उन्हें एकाग्रता विकसित करने में राजयोग साधना सहायक सिद्ध होगा। योग हमें कर्म कुशल बनाता है। यह प्रतिस्पर्धा का जमाना है इसमें सिर्फ सफलता ही नहीं बल्कि असफलता को भी सहन करने की क्षमता हमारे अन्दर होनी चाहिए। दुनिया में हर समस्या का समाधान है।

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल 15 मई को प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत जिले के विकासखण्ड भाटापारा अंतर्गत ग्राम कड़ार पहुंचे। इस दौरान भाटापारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जिले के 128 करोड़ 54 लाख 34 हजार रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। जिसमें कुल 56 करोड़ 18 लाख 97 हजार रूपए के 174 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 72 करोड़ 35 लाख 37 हजार रूपए के 36 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

उन्होंने जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में जिला पंजीयक एवं मुख्यालय उप पंजीयक कार्यालय बलौदाबाजार 76.56,जनपद पंचायत भाटापारा के स्कूल शिक्षा से अहाता निर्माण 10 लाख रूपये, शिक्षा विभाग द्वारा वि.खं. भाटापारा के बोडतरा में शास. हाई स्कूल भवन का निर्माण 75.23, डी.एम.एफ. मद से अहाता निर्माण, खेल मैदान में 5.00, गौठान पहुंच मार्ग सी.सी.रोड निर्माण कार्य 15.39, चैन लिंक्ड फेसिंग कार्य (गौठान में) 4.83, चैन लिंक्ड फेसिंग कार्य (गौठान में) 3.86, चैन लिंक्ड फेसिंग कार्य (गौठान में) 5.79, चैन लिंक्ड फेसिंग कार्य (गौठान में) 3.86 मनरेगा के तहत गौठान में सामुदायिक पशु शेड निर्माण कार्य 9.04, स्व सहायता समूह हेतु शेड 3.43, वर्मी टंका निर्माण 3.72, लोक निर्माण विभाग द्वारा भाटापारा बायपास मार्ग लं. 8.00 किमी का उन्नतिकरण 5542.53, खोखली से बीजाभाट मार्ग लं. 4.20 किमी पुल पुलिया सहित 552.81, खपराडीह से सेंदरी मार्ग लं. 3.00 किमी पुल पुलिया सहित 560.02, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा रेट्रोफिटिंग नलजल प्रदाय योजना के तहत हसदा में 81.05, बेन्द्री 73.38 एवं मजगांव 103.87 जनपद पंचायत सिमगा में डी.एम.एफ. मद से गौठान क्षेत्र में पशु शेड निर्माण कार्य 21 लाख रूपये,सी.सी. रोड सह नाली निर्माण कार्य 10.00,सी.सी. रोड निर्माण कार्य दौलत साहू के घर से मुक्तिधाम तक 10.00, राजू विश्वकर्मा के घर से कुमार साहू के घर तक 10.00, पन्ना सोनी के घर से मेनरोड तक एवं महामाया चौक से खेदी यदु के घर तक 5.00, बेलर मशीन प्रदाय कार्य 5.00, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सी.सी रोड निर्माण साधराम के घर से जगमोहन के घर तक चुटचुटिया 4.00, संतराम के घर से चोखे लाल के घर तक खण्डूवा 5.00, विक्रम के घर से परस सतनामी के घर तक चुटचुटिया 5.00, तेजराम मारकंडे के जय स्तभ तक चुटचुटिया 5.00, शेषनारायण के घर से गुरूघासी मंदिर तक दुलदुला 5.00, मेहतरू के घर से गंगरेल के घर तक दुलदुला 5.00, समारू के घर से मुखी के घर तक बमनीडीह 5.00, समारू के घर से मंदिर तक बमनीडीह 5.00, मंदिर से मेन रोड तक बमनीडीह 5.00 लाख रूपये का लोकार्पण शामिल है।

इसी तरह नगर पालिका परिषद भाटापारा में अधोसंरचना मद से सदर वार्ड क्र.12 में पीली बाई चंदू भईया गली में सी.सी.रोड निर्माणकार्य 0.39, पीली बाई चंदू भईया गली में आर. सी. सी. नाली निर्माण 0.62, जय हिन्द हॉटल के पास स्लैब निर्माण कार्य 1.00, गुरूघासीदास बाबा चौक से दिलीप फर्नीचर तक सी.सी.रोड निर्माण कार्य 3.95, अमरजीत सलूजा से सुलभ तक सी.सी.रोड निर्माण 3.06, भगत सिह वार्ड क्र. 16 में शिवनारायण सोनवानी के घर से हारून के घर तक स्लैब निर्माण कार्य 0.43, दसरू के घर से भागवत के घर तक आर.सी.सी.नाली एवं स्लैब निर्माण कार्य 0.75, हीरा सतनामी के घर से दानी दक्षिणी के घर तक सी.सी.रोड निर्माण कार्य 0.79 आदि निर्माण कार्य शामिल है।

गोठान पर बवाल और सियासत

भाजपा बोली- 1300 करोड़ का घोटाला, कांग्रेस ने दिया करारा जवाब

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गोठान पर सियासत गर्म है। जमकर बवाल मचा हुआ है। इस मामले में बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने हैं। एक दूसरे पर सियासी तीर छोड़ने में लगे हैं। बीजेपी ने आज रायपुर से 25 किलोमीटर दूर जाकर गौठानों में 1300 करोड़ का गौठान घोटाला किए जाने का आरोप लगाया, तो कांग्रेस ने भी गोठान पर बीजेपी को घेरते हुए तंज कसा है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने आज भाजपा के प्रतिनिधि मंडल एवं कार्यकर्ताओं ने साथ गोठान का अचानक निरीक्षण किया। पत्रकारों को मौके पर ले जाकर सभी गोठान का हाल दिखाया। इस दौरान गोठान में न गाय मिली न गोबर बेचा जा रहा था। गोठान में गाय के रखरखाव के लिए कोई व्यवस्था नहीं मिली।

अरुण साव ने कहा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार जबसे सत्ता में आयी है, उसने बेदर्दी से प्रदेश के संसाधनों की लूट की है। रोज प्रकाश में आते घपले-घोटालों की खबरों से छत्तीसगढ़ शर्मसार हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को कलंकित किया है। सबसे शर्मनाक घोटाला इस सरकार ने गोमाता के नाम पर किया है। कथित नरवा, गरवा, घुरवा, बारी के नाम पर इसने वोट हासिल किया। छत्तीसगढियों की भावना से खिलवाड़ किया और इस मद में भी अभी तक सामने आए तथ्यों के अनुसार गोठान के नाम पर विभिन्न मदों से खर्च की गयी 1300 करोड़ से अधिक की राशि का दुरुपयोग कर इसमें भारी घोटाला किया गया है।

उन्होंने कहा कि हम अभी शासन का एक गोठान देखने आए हैं। गोठान के नाम पर गोरखधंधा चल रहा है। जब राजधानी के पास के गोठान का यह हाल है, तो गांव देहातों के गोठान और उस के नाम पर मची लूट की कल्पना कर सकते हैं। गोठान के नाम पर चल रहे गोरखधंधे में कांग्रेस सरकार ने सबसे अधिक पंचायतों/सरपंचों के हक पर ही डाका डाला है। विभिन्न मदों में पंचायतों के विकास के लिए आयी राशि को सरपंचों से छीन कर सीधे उसे अनेक बहानों के साथ बंदरबांट कर लिया गया है।

'चलबो गोठान-खोलबो पोल' अभियान शुरू करेगी भाजपा

भारतीय जनता पार्टी गोठान को लेकर भ्रष्टाचार के ख़िलाफ जन-जागरण के लिए एक प्रदेशव्यापी 'चलबो गोठान-खोलबो पोल' अभियान शुरू करेगी। यह अभियान 20 मई से शुरू होगा। अभियान में हर मंडल में प्रदेश से नेतागण जायेंगे।सभी नेतागण कम से कम 10 गोठानों का दौरा करेंगे। वहां ग्रामीणों से मिलेंगे और उनके यहां के गोठानों में जा कर का जमीनी हाल पता करने 'गोठान का गोठ' करेंगे। क्वेश्चनेयर के माध्यम से गोठानों से संबंधित 10 सवाल हर जगह पूछे जायेंगे।

बीजेपी ने गोठान पर उठाए सवाल

सरकारी दावे के अनुसार ही बात करें तो प्रदेश में कथित तौर पर 9790 गोठान कार्यरत हैं। शोभा के लिए बने कुछ कथित 'आदर्श गोठानों' को छोड़ दें तो कहीं भी कोई व्यवस्था नहीं है। प्रत्येक गोठान में लगभग 8 लाख से 19 लाख रुपया खर्च किया है। इसके अलावा 10 हजार रुपया प्रतिमाह रखरखाव के नाम पर अलग से गोठानों के नाम पर भेजा जा रहा है, उसका अधिकांश भाग भ्रष्टाचार की ही भेंट चढ़ रहा है। घोटाले बिना रोक-टोक के जारी रहे इसलिए नियमानुसार गोठान समिति का चुनाव भी नहीं कराया गया है। बड़ी संख्या में इसमें सत्ता के करीबियों ने बिना चुनाव के ही कब्जा कर लिया है। भारत सरकार ने मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, 14वां वित्त, 15वां वित्त, एलड्ब्ल्यूजी, रूर्बन, डीएमएफ जैसे मदों में राशि भेजी है। उस पैसों को भी डायवर्ट कर गोठान के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया गया। विकास कार्यों के लिए आए तमाम पैसों को डायवर्ट कर देने के कारण पंचायतों में पैसे ही नहीं बचे। सभी जगह विकास के तमाम कार्य ठप हैं। गांवों में रोड, नालियां आदि बनना बंद है। प्रत्येक गोठान में 300 गाय रखने का नियम है। शायद ही किसी में इतनी गायें हों। इसी तरह गोबर खरीदी के नाम पर प्रति माह करोड़ों का भुगतान कांग्रेस सरकार कर रही है। लेकिन वे पैसे कहां जाते हैं, इसका कोई पता नहीं है। इस ख़रीदी के नाम पर ऐसे-ऐसे लोगों के नाम भुगतान किए गए हैं, जो संबंधित स्थनाओं पर रहते भी नहीं हैं। भाजपा ने उसकी शिकायत भी अनेक जगह की है। सदन में सरकार ने बताया कि गोठान निर्माण पर अभी तक 1019 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। वर्मी कम्पोस्ट के लिए टंकी बनाने के नाम पर 233 करोड़ खर्च किए गए हैं। 2 रु. प्रति किलो में लोगों से कथित तौर पर गोबर खरीदा गया और वर्मी-कम्पोस्ट के नाम पर कंकड़-पत्थर मिलाकर वही गोबर 10 रु. प्रति किलो में उन्हें जबरन बेचा गया। प्रदेश में कुल 1976 ऐसे लोग हैं, जिनके नाम पर 1 लाख रुपए से अधिक गोबर के मद में भुगतान हुआ है। ये कौन लोग हैं, यह पड़ताल का विषय है। 174 करोड़ से अधिक गोबर खरीदी मद में दिए गए और सरकार का अनेक बार कहना हुआ कि गोबर सारा बह गया या खराब हो गया। जाहिर है ऐसी लगभग सारी खरीदी कागजों पर हुई है, और इसका पेमेंट सोसाइटियों से जबरन करा दिया गया। अनेक जगह गोठानों को नियम विरुद्ध अभयारण्यों में बनाना बताया गया है। इसी तरह रोका-छेका के नाम पर प्रोपगंडा किया गया, लेकिन न तो मवेशियों के लिए कोई खाने पीने का इंतज़ाम हुआ न ही उनके लिए कोई शेड आदि बने। हजारों गायों की मौत सड़कों पर दुर्घटना में या भूख से हो गयी।सरकार द्वारा दिए गए अन्य आंकड़ों के अनुसार-'प्रदेश 20 अप्रैल 2023 तक प्रदेश की 11 हजार पंचायतों में 10 हजार 6 सौ नब्बे गौठान स्वीकृत हुए हैं। जिसमें से 10 हजार से अधिक गौठान पूर्ण हो गये हैं।'

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

भाजपा के लिए सबक!

कर्नाटक विधानसभा का चुनाव भाजपा बुरी तरह हारी। चुनाव के पहले उनके सारे बड़े नेता बहुमत से जीतने का दावा कर रहे थे। हालांकि कोई भी पार्टी ऐसे ही दावे करती है लेकिन भाजपा अति आत्म विश्वास में थी। वह भूल गई थी कि वह दक्षिण भारत से चुनाव लड़ रही है, जहां भाजपा का आधार अभी मजबूत नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश की बात अलग है। जहां योगी जैसा मुख्यमंत्री विराजमान है, जिसने भ्रष्टाचार की सारी गुंजाइश ही खत्म कर दी है। हालत यह है कि अब मुसलमान भी भाजपा को वोट दे रहा है। क्योंकि भाजपा ने कुछ मुस्लिम प्रत्याशियों को मैदान में उतारा। नतीजा एक तरफ कर्नाटक में भाजपा बुरी तरह हारी, वही उत्तर प्रदेश के नगर निकाय चुनाव में उसने अपना परचम लहराया। सपा, कांग्रेस की बुरी हार हुई। दोनों राज्यों के नतीजे देखकर हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि जनता दृष्टिसंपन्न होती है। वह न केवल योग्य प्रत्याशियों को देखती है वरन पार्टी को भी देखती है। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को लेकर छवि बहुत अच्छी नहीं थी। वहाँ तो हालत यह रही कि भाजपा छोड़कर के जो कांग्रेस में गया, वह प्रत्याशी भिवहार गया। सरकार में शामिल मंत्री भ्रष्टाचार कर रहे थे। चालीस प्रतिशत कमीशन का वैसे भी खूब प्रचार था। कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाया, फिर राहुल गांधी की भारत छोड़ो यात्रा का भी असर हुआ। कर्नाटक के नतीजे के बाद भाजपा को अब सावधान हो जाना चाहिए ।राहुल गांधी को भी हल्के से लेने की भूल नहीं करनी चाहिए। राहुल गांधी की पप्पू वाली छवि पुरानी बात हो गई है। पिछले एक डेढ़ वर्ष में राहुल में गंभीरता आई है। उस के कारण कांग्रेस का ग्राफ बढ़ा है। कांग्रेस में खरगे को अध्यक्ष बनाने के बाद कांग्रेस परिवारवाद से ऊपर उठती दिखाई दी है। इसमें सिर्फ कांग्रेस को कोसने से अब बात बनने वाली नहीं है। इस देश का मध्यम वर्गी समाज जिस तरह से महंगाई की मार झेल रहा है, इससे उसे उबारने की ज़रूरत है। रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सुविधा खत्म कर दी। सर्वाधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है दे बैंकों में बचत वाली व्याज दर कम होती जा रही है। पोस्ट आफिस की ब्याज दरें भी काफी कम हो गई है। जो गरीब हैं,उनको तो आप खूब सुविधा दे रहे हैं ताकि वे खुश रहे और आपको वोट दें। लेकिन मध्यम वर्गीय समाज की चिंता केंद्र में बैठी भाजपानीत सरकार नहीं कर रही है। वह भूल रही है कि मध्यम वर्गीय आय वाला समाज भी उनका मतदाता है। छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार आकर्षक योजनाएं लागू कर रही है, जिससे हम लोग खुश हैं। कर्नाटक का कांग्रेसी घोषणा पत्र भी काफी आकर्षक है। तात्पर्य यह है कि जो सरकार जनहित के कार्य करेगी, उस के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। अब आप एयरपोर्ट में सुविधाएँ बढ़ा दें, फोरलेन सिक्स लेन सड़कें भी बनाएँ, वंदे भारत ट्रेन चला दें, इन सब से निम्न मध्यवर्ग के लोगों का भी कोई सरोकार नहीं । इन सारी सुविधाओं का लाभ अधिकतर आर्थिक दृष्टि से संपन्न लोग ही उठाते हैं। बेशक इन सब बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। देश को आगे बढ़ाने के लिए यह सब बहुत जरूरी है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पेट्रोल, डीज़ल सस्ता मिले। खाने के तेल के भाव कम हों। जीएसटी कम हो। कहाँ लगे, कहाँ न लगे,इसकी बुद्धि भी होनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी इस वक्त मध्य वर्गीय समाज पर ध्यान नहीं दे रही है। पूंजीपति या कहें कि उच्च वर्गीय लोगों की खूब तरक्की हो रही है, मगर गरीब और बदहाल हो रहा है। अत: अब अगर इस देश के आम आदमी के सरोकारों और समस्याओं पर भाजपा ने मंथन करना शुरू नहीं किया, तो सन 2024 का चुनाव उनके हाथ से फिसल भी सकता है। इस पर बेहद गम्भीर होने की आवश्यकता है।

कलेक्टर जनचौपाल में सुनी गई नागरिकों की समस्याएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर श्री बी बी पंचभाई ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित कलेक्टर सभाकक्ष में जनचौपाल के माध्यम से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों की विभिन्न मांग एवं समस्याओं से संबंधित आवेदनों को सुना। जन

चौपाल में आज लगभग 50 आवेदन प्राप्त हुए। आज आयोजित जनचौपाल में ग्राम आलेसुर के मोहरदास ने अपने भूमि के खसरे का रकबा सुधार कराने, खरोरा निवासी महेश मित्तल ने खरोरा नगर पंचायत में अतिरिक्त आधार केंद्र स्थापित कराने, ग्राम धुसेरा के मन्नूलाल सतनामी ने जमीन अधिग्रहण का मुआवजा दिलाने, मठपुरैना निवासी केपी मंडल ने ग्राम टेकारी में अपनी जमीन पर अतिक्रमण, रावांभाठा निवासी जीपी पिल्ले ने अपनी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की शिकायत संबंधी आवेदन दिया। इसी तरह बोरिया खुर्द निवासी वहीदा बेगम ने निराश्रित पेंशन का लाभ दिलाने, मंदिर हसौद निवासी मिथलेश यादव ने मंदिर हसौद रोड पर अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटाने, लालपुर निवासी डॉ. राहुल कुमार गोयल ने नलकूप खनन की अनुज्ञा प्राप्त करने आवेदन प्रस्तुत किया।

रमन सरकार में हुआ था 4400 करोड़ का शराब घोटाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की सरकार में वर्ष 2012-17 के दौरान शराब ठेकेदारों से मिलीभगत कर करीब 4400 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। रमन सरकार ने अपने कार्यकाल में दशकों से चली आ रही आबकारी नीति बदलाव कर इस घोटाले को अंजाम दिया था। ये आरोप प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने लगाया है। उन्होंने राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहा कि दिल्ली की आप सरकार ने आबकारी नीति में बदलाव किया तो भाजपा ने आरोप लगाया कि घोटाला करने के उद्देश्य से शराब निर्माताओं को फायदा पहुंचाने के लिये नीति बदली गई। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। वे जेल में हैं। ऐसे ही नीति बदलाव के लिये रमन सिंह की तत्कालीन भाजपा सरकार के खिलाफ भी जांच की होनी चाहिए। कांग्रेस ने मांग की है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह, तत्कालीन आबकारी मंत्री अमर अग्रवाल, तत्कालीन आबकारी सचिव एवं आबकारी आयुक्त गणेश शंकर मिश्रा की कार्यप्रणाली को भी जांच के दायरे में लिया जाए। क्योंकि यह 4400 करोड़ का संगठित घोटाला हुआ था। शराब घोटाले से मिलने वाली 4400 करोड़ की कमीशन की राशि किस खाते में जायेगी, इस बात को लेकर रमन सरकार के केबिनेट बैठक में दो मंत्रियों में विवाद भी हुआ था। प्रदेश के आबकारी विभाग में वर्ष 2012 से 2017 के बीच शासन के उच्चस्तरीय संरक्षण में प्रदेश में मौजूद शराब उत्पादकों को फायदा पहुंचाने और करोड़ों के कमीशनखोरी किये जाने के उद्देश्य से बिना मापदण्डों का पालन किये उनके उत्पाद कोइंडियन मेड फॉरेन लिकर की केटेगरी में शामिल करते हुऐ शराब बिक्री में ठेकेदारों को अधिक मुनाफा पहुंचाया गया। इन अवैधानिक तरीके से IMFL श्रेणी की केटेगरी में रखी गयी शराब को प्रदेश में ऊंची दरों पर बेचने का कार्य करते हुए कई सौ करोड़ रूपयों की कमीशनखोरी कर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है।शुक्ला ने बताया कि रमन सरकार ने मदिरा के सेल प्राईज फिक्सेशन में देशी शराब के निविदाकर्ता/लाइसेंसी को वर्ष 2012-13 एवं 2013-14 में 60 प्रतिशत तथा वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक 50 प्रतिशत का मुनाफा प्रदान किया गया जो कि अन्य राज्यों से ढाई गुना अधिक था। सीएजी ने भी इस पर आपत्ति जताई थी। रमन सरकार द्वारा देशी/विदेशी मदिरा के निविदाकर्ताओं को अत्यधिक मुनाफा दिए जाने के कारण वर्ष 2012-13 से 2016-17 के मध्य विदेशी शराब के रिटेलर्स को 946.79 करोड़ और इसी अवधि में देशी शराब के रिटेलर्स को 567.13 करोड़ का अवैध लाभ पहुंचाया गया।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

गोठानों में घोटाला भाजपा का दिमाकी फितूर - कांग्रेस

रायपुर। गोढ़ी गांव के गोठान जाकर भाजपा ने नया राजनैतिक नौटंकी करने की कोशिश किया। जिसका गोढ़ी की प्रबुद्ध जनता ने कड़ा विरोध किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि 15 सालों तक गोशाला के नाम पर अनुदान खाने वालों को गोठान बर्दाश्त नहीं हो रहा। भाजपा के दुष्प्रचार का विरोध करके जनता ने साबित कर दिया कि नकारात्मक राजनीति करने वालों को जनता का समर्थन कभी नहीं मिल सकता है। छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दाविहीन हो चुकी है। उसके पास जनतिह के मामले उठाने को कुछ बचा नहीं है ऐसे में भाजपा के नेता मीडिया की सुर्खियां बटोरने के लिये काल्पनिक और झूठे आरोपों के आधार पर राजनीति करना चाहते है। जिसको जनता स्वीकार नहीं कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि गोठान समितियों में भ्रष्टाचार भाजपा का दिमाकी फितूर है। प्रदेश में 9790 गोठानों का निर्माण पूरा हो गया भाजपा को सभी गोठानों में जाकर अध्ययन करना चाहिये। सभी गोठानों में पानी शेड, चारे की व्यवस्था की गयी है, गोठानों में गांव के लोग ही पैरा दान करते है। प्रदेश भर के गोठानों में पानी की टंकी, शेड आदि पर हुये कुल अलग-अलग खर्चों की राशि को घोटाला बता कर भाजपाई सनसनी फैलाना चाहते थे लेकिन उनका झूठ बेनकाब हो गया।

सीजीपीएससी में चयनित बच्चों के चयन पर सवाल उठाना भाजपा के गिरी हुई सोच

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सीजीपीएससी में चयनित बच्चों के चयन पर सवाल उठाकर भाजपा ने अपने गिरी हुई और घटिया सोच को प्रदर्शित किया है। सीजीपीएससी की परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से होती है और उस में भाग लेने वाले अभ्यर्थी अपनी योग्यता क्षमता के आधार पर परीक्षा पास कर चयनित होते हैं। ऐसे में भाजपा के द्वारा उनके चयन पर सवाल उठाना चयनित बच्चों का अपमान है। भाजपा को अपने इस हरकत के लिए सीजीपीएससी में चयनित सभी बच्चों से माफी मांगना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के छात्र-छात्रायें वह दिन को भूले नहीं है जब रमन सिंह मुख्यमंत्री थे उस दौरान शिक्षा मंत्री रहे केदार कश्यप की पत्नी के स्थान पर दूसरे युवती ने परीक्षा दी थी और उस नकल प्रकरण का भंडाफोड़ हुआ था। रमन सरकार के दौरान ही प्रतियोगी परीक्षा हो या अन्य प्रकार के परीक्षा हो भ्रष्टाचार और घाल मेल होता था।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि अगर कोई छात्र होनहार है, योग्य है, विद्वान है और वह प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित हो जाता है और उसके संबंध किसी राजनेता अधिकारी व्यापारी से है इसका मतलब यह नहीं है कि उसे उसके हक अधिकार से वंचित किया जाए या उसकी योग्यता पर प्रश्नचिन्ह लगाया जाए।

शराब से तीन युवकों की मौत के लिए सीधे तौर पर भूपेश बघेल जिम्मेदार: चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ के ग्राम रोगदा में शराब पीने से 3 युवकों की मौत के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि प्रदेश में अवैध शराब गांव गांव में मौत का पैगाम लेकर जा रही है। गरीब परिवार उजड़ रहे हैं। भूपेश बघेल सरकार अवैध शराब सेवन से असमय मृत्यु के शिकार हुए तीनों युवाओं के परिवार को 50-50 लाख का मुआवजा दे और तत्काल शराबबंदी लागू करे।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने शराब सेवन से तीन युवाओं की मौत को दुखद और बड़ी घटना बताते हुए दुखी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शराबबंदी की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। अवैध नकली शराब का विक्रय हो रहा है। दो हजार करोड़ का शराब घोटाला पकड़ा गया है। सरकार इसकी जिम्मेदार है। किसी जांच की जरूरत नहीं है। प्रमाण सामने है। खुद मुख्यमंत्री कबूल कर रहे हैं कि वे शराब बंदी की हिम्मत नहीं कर सके। यह हिम्मत इसलिए नहीं हो रही कि छत्तीसगढ़ की जनता को लूटकर, उसकी जान से खिलवाड़ कर अवैध कमाई करना इनका मकसद है। हम विधानसभा में लगातार यह विषय गंभीरता से उठाते रहे हैं कि प्रदेश में घटिया और अवैध शराब बिक रही है।

गोठान में भाजपा कार्यकर्ता पर हुए हमले पर बोले भाजपा महामंत्री

रायपुर। गोढ़ी स्थित गौठान के निरीक्षण के समय भाजपा कार्यकर्ता फनेन्द्र भूषण वर्मा पर हमला कर उससे हुई लूट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने कहा, कांग्रेसी अपनी पोल खुलने पर हिंसा कर रहे हैं भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला कायराना हरकत है इससे कांग्रेसी अपनी करतूतों पर पर्दा नहीं डाल सकेंगे।

विजय शर्मा ने कहा भाजपा कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ महतारी के खजाने के रक्षक हैं और कांग्रेसी लुटेरे अत: यह लड़ाई रक्षकों और लुटेरों के बीच की है कांग्रेसी कितने भी हमले करवा ले भाजपा का कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ महतारी की पाई पाई की रक्षा करेगा। विजय शर्मा ने कहा कांग्रेसी विनाश काले विपरीत बुद्धि की कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं पहले उन्होंने गोठान में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया और बाद में जब भाजपा कार्यकर्ता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव के नेतृत्व में थाने में शिकायत दर्ज कराने गए तो वहां भी गाली गलौज की एवं थाने में घुसकर महिला पत्रकारों तक से बदतमीजी की यह आचरण बताता है कि कांग्रेसी अपनी पोल खुलने से अपनी सुध बुध गवां बैठे हैं, जनता जल्द ही इसका जवाब देगी।

कांग्रेसी 15 साल विपक्ष में रहे 54 महीनो से सत्ता में है इतना समय चुप कैसे रहे: चौधरी

रायपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोप पर पलटवार करते हुए कहा है कि भूपेश बघेल के संरक्षण में कांग्रेस शासन में 2 हजार करोड़ के शराब घोटाले का जवाब देते नहीं बन रहा तो कांग्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भाजपा शासनकाल में 44 सौ करोड़ के शराब घोटाले का बेबुनियाद आरोप लगा कर यह मुगालता पाल रही है कि उसके पाप धुल जाएंगे। लेकिन ऐसा नामुमकिन है। कांग्रेस रोज प्रेस कॉन्फ्रेंस करे और इस तरह के आरोप रोज दोहराए। हमें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह तो बताये कि भाजपा शासन में एक पैसे का भी शराब घोटाला हुआ तो विपक्ष में बैठकर कांग्रेस क्या कर रही थी। साढ़े चार साल से सत्ता में रहते घोटालेबाजी कर रही है तो लगे हाथ यह भी तथ्यों के साथ सामने लाती कि भाजपा के समय कोई घोटाला हुआ। उसकी जांच कराती और कोई गलती मिलती तो कार्रवाई करती। कांग्रेस को रोका किसने है? भूपेश बघेल कांग्रेस प्रवक्ताओं की गोद में छुप रहे हैं। उन्हें जनता के सामने आना चाहिए। वे शराब के संगठित घोटाले के कर्ताधर्ताओं पर कार्रवाई करने की बजाय उनकी पैरवी कर रहे हैं। जाहिर है कि यह घोटाला भी बाकी घोटालों की तरह उनके ही आशीर्वाद की छाया में हुआ है। ओपी चौधरी ने कहा कि अब से पहले कांग्रेस को भाजपा शासन काल में कोई शराब घोटाला नहीं मिला।

देवर्षि नारद जयंती समारोह में प्रवीण पाठक का सम्मान

रायपुर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी राजधानी रायपुर में देवर्षि नारद जयंती समारोह 2023 का बड़ा गरिमापूर्ण आयोजन रविवार 14 मई को होटल वेंकटेश में संपन्न हुआ। इस वर्ष पत्रकार श्री प्रवीण पाठक को पत्रकारिता में उनके अमूल्य योगदान के फलस्वरूप देवर्षि नारद सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार शगुफ्ता शिरीन एवं अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल शर्मा ने की। मंच से सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रवीण पाठक ने कहा कि देवर्षि नारद सम्मान प्राप्त हुआ, यह क्षण अभिभूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि जब कोई सम्मान प्राप्त होता है तो अपनी जिम्मेदारी बढ़ती है। सम्मान की गरिमा को जीवन भर बनाए रखने का प्रयास करूंगा।

इस सम्मान के अवसर पर "सम्मान पत्र"का वाचन सौरभ शर्मा ने किया।

"देश की एकता और अखंडता में पत्रकारिता की भूमिका" विषय बोलते हुए मुख्यवक्ता जयप्रकाश मिश्र ने कहा कि देवर्षि नारद सृष्टि के पहले संचारक हैं, उन्होंने कथाओं को विस्तार दिया है। शब्द जोड़ते हैं तो शब्द तोड़ते भी हैं। शब्दों में शक्ति होती है, यही पत्रकार का हथियार है। शब्दों में रस भी होता है और रसायन भी होता है। देश की एकता और अखंडता में शब्दों से बल मिलता है। हनुमान जी भी देवर्षि नारद की तरह लोक संचारक हैं। मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता की विशेषता अरुचिकर विषय को रुचिकर बनाकर समाज का प्रबोधन करना हैं। देवर्षि नारद जी के पास संवाद और सत्य का कवच था, यही पत्रकार की भी पूंजी है। सत्य के मार्ग में बधाई आती हैं, देश और समाज की एकता बनाए रखने के लिए पत्रकार को भी संघर्ष करना पड़ता है। वर्तमान पत्रकारिता चुनौती से भरा है, पत्रकारिता करने की परिस्थिति बदल गई है। विश्वसनीयता का संकट है। इसलिए है क्योंकि क्षेत्र में जाकर रिपोर्टिंग करने का काम कम होता जा रहा है।

मुख्य अतिथि शगुफ्ता शिरीन ने कहा, देवर्षि नारद जी ने तीनों लोकों में संचार का कार्य किया और उनका संचार लोक कल्याण के लिए था। उनकी स्वीकार्यता सभी लोकों में हर वर्ग में थी। क्षेत्र में जाकर प्रत्यक्ष देखते थे, आंखों देखी रिपोर्टिंग करते थे। आज सोशल मीडिया से समाचार मिल रहे हैं, उनकी विश्वसनीयता नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल शर्मा ने कहा, नारद जयंती के अवसर पर इस समारोह समिति के द्वारा प्रति वर्ष पत्रकार को सम्मानित करते हैं, इससे पत्रकारों का उत्साह बढ़ता है। पत्रकार को अपनी आलोचना को परे रख कर कार्य करना चाहिए। पत्रकार को दलगत जुड़ाव से परे होना चाहिए, देश के हित में सत्य के साथ अडिग रहना चाहिए।

ईडी ने शराब से अवैध कमाई का किया खुलासा

■ अनवर ढेबर, एपी त्रिपाठी सहित आरोपियों की रिमांड बढ़ी

रायपुर। शराब की कमाई से करोड़ों की खरीद का ईडी ने किया बड़ा खुलासा किया है। ईडी ने अधिकृत प्रेस नॉट में गिरफ्तार अनवर ढेबर, एपी त्रिपाठी, त्रिलोक सिंह ढिल्लन और नितेश पुरोहित द्वारा शराब, एफएल 10 लाइसेंस दिलाने के नाम पर दलाली समेत कई तरीकों से काली कमाई जुटाए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने एक नया खुलासा किया है। ईडी अनवर ढेबर, नितेश पुरोहित, त्रिलोक सिंह ढिल्लन और एपी (अरुण पति) त्रिपाठी शामिल हैं. ईडी ने प्रेस विज्ञप्ति में लिखा है कि छापों में एक देसी शराब डिस्टलर के घर से 28 करोड़ के जेवर बरामद हुए हैं. इसे सीज किया गया है हालांकि ईडी ने डिस्टलर का नाम उजागर नहीं किया है. इसी तरह कारोबारी अनवर ढेबर द्वारा नवा रायपुर में जॉइंट वेंचर के नाम पर 53 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने का भी खुलासा किया है, जिसकी कीमत 21.60 करोड़ बताई जा रही है. ईडी ने आरोप लगाया है कि यह जमीन अवैध कमाई से खरीदी गई है। ईडी के मुताबिक एपी त्रिपाठी इंडियन टेलीकॉम सर्विस के अधिकारी हैं और इन्हे मुंबई से अरेस्ट किया गया है। ईडी के मुताबिक मुंबई में छापे के दौरान शेयर ट्रेडिंग कंपनी में एक करोड़ के इन्वेस्टमेंट का पता चला है। उक्त इन्वेस्टमेंट पिंकी सिंह और अरविंद सिंह के नाम पर किया गया है। इसे ईडी ने फ्रीज कर दिया है। इसी तरह त्रिलोक सिंह ढिल्लन के यहां छापे में 27.5 करोड़ रुपए के फिक्स डिपॉजिट की जानकारी सामने आने के बाद फ्रीज किया गया है। हाल के छापों में 20 लाख रुपए और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। चारों आरोपियों को आज सोमवार 15 मई को स्पेशल मजिस्ट्रेट अजय सिंह राजपूत की अदालत में पेश किया गया, जहां से चारों को चार दिन की ईडी की हिरासत में पुन: भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.